नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 41 | नोएडा, बुधवार, 11 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

विश्वास और मेहनतः
'विश्वास सबसे बड़ी ताकत है, यह असंभव को संभव बनाता है। सपनों को सच करना है, तो मेहनत करनी होगी।



लोकसेवक 48+घंटे अगर हिरासत में तो अपने आप सस्पेंड

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल की — पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है- अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 6 नवंबर के आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी।



पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी

आरोपी प्रशासक सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका मंजूर की थी। हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट से मिली रेगुलर बेल रद्द कर सिंह को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी के रिहा होने के करीब एक साल बाद जमानत में दखल दिया। उसके आदेश से लगता है कि सेशन कोर्ट की एक टिप्पणी का असर जमानत रद्द करने के फैसले पर पड़ा। सेशन कोर्ट ने रिश्वत की रकम को बहुत कम बताया था। मामले के रिकॉर्ड के मुताबिक इस केस में 2025 में विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(ए) के तहत दर्ज हुई थी। आरोप के समय सिंह समस्तीपुर के सरकारी सदर अस्पताल में प्रशासक थे।

जमानत रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई। बेंच ने आदेश में कहा, 'एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहा।' जस्टिस पारदीवाला कहा- सरकारी कर्मचारी होने के कारण सिंह को स्वतः निलंबित माना जा सकता है। हैरानी की बात है कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया।' कोर्ट ने कहा कि राज्य को इस पहलू पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए। बेंच ने उम्मीद जताई कि राज्य इस मामले में कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करेगा।

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

रूसी मॉडल अन्ना कोनिडेला से सन 2013 में शादी की थी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया।



दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है। तलाक के फैसले के बाद पवन कल्याण की ओर से जारी बयान में कहा गया- अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा एक साथ बिताने के बाद हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे।

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

544 पेज की किताब में 7 चैप्टर, राजीव से प्यार का जिक्र

इटली का पासपोर्ट छोड़ने और पीएम पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' की ब्रिकी शुरू हो गई है। बिना किसी लॉन्च इवेंट के यह सीधे मार्केट में मिलने लगी है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं। किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरुआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम। इसके बाद एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है। किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद पीएम न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है।



किताब का नाम व्हाइटवॉशिंग होना चाहिए था

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई आत्मकथा बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बाजार में आते ही राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। भाजपा ने इस किताब को लेकर सोनिया गांधी पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने आरोप लगाया कि इस किताब का मकसद नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालना यानी व्हाइटवॉश करना है। केशवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट करते हुए कहा कि इस किताब का शीर्षक बिलॉन्गिंग की जगह व्हाइटवाशिंग होना चाहिए था, क्योंकि इसमें कांग्रेस के ऐतिहासिक पापों को छिपाने की कोशिश की गई है।

दक्षिणी महासागर के भारतीय इलाके में ऑक्सीजन लेवल बढ़ा

30 साल से बदलाव हो रहा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के महासागरों में ग्लोबल वार्मिंग से ऑक्सीजन घट रही है, लेकिन दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्रों में नया बदलाव मिला है, जो कि अच्छा संकेत है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अध्ययन के मुताबिक, 1993 से 2025 के बीच यहां पानी में घुली ऑक्सीजन बढ़ी है। सबसे ज्यादा बदलाव 300 से 2,000 मीटर की गहराई पर मिला। अंटार्कटिक क्षेत्र में ऑक्सीजन सालाना प्रति किलोग्राम पानी में 2.37 माइक्रोमोल और ध्रुवीय क्षेत्र में 1.41 माइक्रोमोल बढ़ी। 2,000 से 5,000 मीटर गहराई पर भी बढ़ोतरी के संकेत मिले। वैज्ञानिकों के मुताबिक, तापमान और खारापन बढ़ने से पानी की परतों का अंतर कम हुआ और सतह का ऑक्सीजनयुक्त पानी गहराई तक बेहतर ढंग से मिलने लगा।



500-2000 के नोट बंद हों, सिर्फ 100-200 के चलें

सीएम चंद्रबाबू बोले- डिजिटल पेमेंट से भ्रष्टाचार रुकेगा — देश में तीन बार नोटबंदी हो चुकी, पीएम को रिपोर्ट सौंपी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग 9 नवंबर को अमरावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई थी। यह बयान 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के अगले दिन आया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 19 मई 2023 को 2000 के नोट चलन से वापस लेने का फैसला किया था, लेकिन ये नोट अभी भी कानूनी रूप से वैध हैं। यानी इनसे लेन-देन किया जा सकता है। 8 नवंबर 2016 को 500 और 1,000 के पुराने नोट बंद किए गए थे।



स्थानीय चुनावों में एनडीए ने धनबल का असर कम किया

आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि नतीजे नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन को दिखाते हैं। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन ने चुनावों में धनबल के प्रभाव को कम करने में कामयाबी हासिल की है। सीएम की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकाय और परिषद चुनावों में एनडीए को 58.9 फीसदी वोट मिले। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले 55.3 फीसदी वोटों से 3.6 प्रतिशत अंक ज्यादा है। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का वोट शेयर 2024 के 39.81 फीसदी से घटकर स्थानीय निकाय चुनावों में 33.56 रह गया। इसमें 6.25 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। नायडू के मुताबिक, दोनों दलों के बीच वोट शेयर का अंतर 25.34 प्रतिशत अंक रहा। नायडू के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकायों में भी गठबंधन का प्रदर्शन मजबूत रहा।

एमपी में चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे'

72 हजार की सबसे ऊंची बोली लगी, पीछे छूटे अमिताभ, शाहरुख और मिथुन

भोपाल (एजेंसी)। मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में चंकी पांडे (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह गधा मेला लगता है।

इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई। चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी



जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां सौदेबाजी के लिए आते हैं। मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए। इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें चंकी पांडे नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपये में बिका। फिल्मी सितारों के नाम की वजह से भले ही मेले की तरफ लोगों को आकर्षण बढ़ जाता है, लेकिन खरीदार असल में काम की चीजों पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं। जानवर की नस्ल, कद-काठी, बनावट और ताकत ही उसकी कीमत तय करती है।

मुगलकाल से हो रहा मेले का आयोजन

माना जाता है कि यह मेला मुगल काल से चला आ रहा है। इसके पीछे एक स्थानीय कहानी है कि मुगल सेना के एक सैन्य अभियान के दौरान, उनके जानवरों की तबीयत खराब हो गई थी। कहा जाता है कि इसी घटना के बाद जानवरों की खरीद-बिक्री के लिए इस बाजार की शुरुआत हुई। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इसका भविष्य अब उतना पक्का नहीं है। आयोजकों का मानना है कि नई पीढ़ी के इससे दूर होने के कारण, इस मेले का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हो सकता है कि पुराना आकर्षण फीका पड़ रहा हो।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के

दिल्ली-भोपाल में एक्यूआई 400 पार, तमिलनाडु में बारिश — यूपी के 4 शहरों की हवा खराब, श्रीगंगानगर सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं। एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार सुबह 9.54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां एक्यूआई 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा सिर्फ पाकिस्तान का लाहौर शामिल था। लाहौर 430 एक्यूआई के साथ 14वें स्थान पर रहा। वहीं, दीवाली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में 6 बजे चांदनी चौक का एक्यूआई 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल, उज्जैन और हरियाणा के बहादुरगढ़ में खराब स्थिति रही।



सुप्रीम कोर्ट ने 4 राज्यों से गाड़ियों के प्रदूषण पर जवाब मांगा- सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस पर तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकारों के साथ एनसीआर और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाली गाड़ियों की एंट्री और उनके चलने पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही, ऐसी गाड़ियों की पहचान और जांच की व्यवस्था की जानकारी भी मांगी है।

इंस्टाग्राम-फेसबुक अब एआई से यूजर की उम्र पहचानेंगे

टीनेजर्स के लिए सेफ्टी फीचर जनवरी से अनिवार्य होंगे — स्क्रीन टाइम लिमिट भी तय होगी

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। सोशल मीडिया कंपनी मेटा अब बच्चों और टीनेजर्स की सुरक्षा के लिए एक नया एआई सिस्टम दुनियाभर में लागू करने जा रही है। इस सिस्टम की मदद से इंस्टाग्राम-फेसबुक एप खुद पहचान लेंगे कि यूजर टीनेजर है या नहीं। इसके बाद, उसका अकाउंट अपने आप सख्त सुरक्षा और प्राइवेसी वाले टीन अकाउंट में बदल जाएगा। दुनियाभर की सरकारों की ओर से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर बढ़ाई जा रही सख्ती को देखते हुए कंपनी ने यह कदम उठाया है।



एआई पकड़ेगा फर्जी उम्र, सेफ सेटिंग्स ऑटोमैटिक ऑन होंगी

मेटा ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि वह अप्रैल 2025 से एक नई एआई तकनीक की टेस्टिंग कर रहा है। अगर किसी टीनेजर ने अकाउंट बनाते समय अपनी उम्र गलत बताई होगी, तो भी एआई उनके इस्तेमाल करने के तरीके से असली उम्र पहचान लेगा। उम्र का पता चलते ही अकाउंट अपने-आप टीन सेटिंग्स में बदल जाएगा, जिससे उनकी स्क्रीन पर खराब या आपत्तिजनक वीडियो/पोस्ट दिखना बंद हो जाएंगे। पेरेंट्स को यह समझाने के लिए कि यह सुरक्षा सिस्टम कैसे काम करता है, मेटा खास जानकारी देने वाले वीडियो भी जारी करेगा। मेटा पर पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा से खिलवाड़ के आरोप लगे हैं।

स्क्रीन-टाइम लिमिट से क्वाइट मोड तक ये नियम बदलेंगे

कानूनी समझौते के बाद मेटा अपने एप में कई नए सुरक्षा फीचर्स ला रहा है। अब टीनेजर्स के लिए रोजाना एप इस्तेमाल करने की टाइम लिमिट तय होगी और रात में नोटिफिकेशन बंद रखने के लिए क्विट मोड भी मिलेगा। साथ ही, अनजान लोगों से बातचीत रोकने के लिए सख्त प्राइवेसी नियम लागू किए जाएंगे। मेटा ने टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब से भी इन सेफ्टी नियमों को लागू करने की अपील की है। टीनेजर्स के लिए नियमों को कड़ा करने की यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब कई देश सख्त कदम उठा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मेटा के अनुसार, ये सभी नए फीचर्स और वैश्विक एआई एज वेरिफिकेशन प्रक्रिया जनवरी से आधिकारिक रूप से लागू होने शुरू हो जाएंगे।



गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है : विजेंद्र गुप्ता

'गोवर्धन पूजा भक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है।'

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर इस्कॉन मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश दक्षिण दिल्ली में पारंपरिक विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष शीश नवाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा भक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व मानवता को प्राकृतिक पर्यावरण के सम्मान एवं संरक्षण के अपने दायित्व का स्मरण कराता है तथा अपनी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। मंदिर प्रवास के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों एवं अन्नकूट उत्सव में भाग लिया,



भगवान को अर्पित किए गए भव्य भोग के दर्शन किए तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं भक्तिमय अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ इस पावन अवसर के उत्सव में सहभागिता की। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे पर्व आस्था, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता के बंधनों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को करुणा, सद्भाव और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने इस्कॉन कम्युनिकेशंस के निदेशक बृज नंदन दास को दिल्ली विधानसभा की आधिकारिक पत्रिका 'विधान चेतना' भेंट की। यह पहल आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ विधानसभा के विधायी, सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान को साझा करने के महत्व को दर्शाती है। अध्यक्ष ने मंदिर के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं से भी संवाद किया तथा आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण और भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर समस्त दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी समाज को धर्म, कर्तव्य, भक्ति और सामूहिक कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं तथा उनकी प्रासंगिकता युगों-युगों से बनी हुई है।

यमुना को स्वच्छ व रिवरफ्रंट विकसित करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता : प्रवेश साहिब सिंह

'आज लोग यमुना को केवल एक नाले के रूप में नहीं, बल्कि एक नदी के रूप में देखने लगे हैं'

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि नमो यमुना रिवर सफारी लोगों को नदी से दोबारा जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की पहले दिन से ही प्राथमिकता मां यमुना को स्वच्छ बनाना और दिल्ली में एक सुंदर रिवरफ्रंट विकसित करना रही है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को सोनिया विहार में आयोजित 'नमो यमुना रिवर क्रूज सेवा' के शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि वर्षों से लोगों के मन में यह बात लगभग भुला दी गई थी कि दिल्ली से होकर एक नदी भी बहती है। लेकिन आज लोग यमुना को केवल एक नाले के रूप में नहीं, बल्कि एक नदी के रूप में देखने लगे हैं। उनका दृढ़ विश्वास है कि रिवरफ्रंट का विकास तभी संभव है, जब नदी स्वयं स्वच्छ हो। पिछले 18-19



महीनों में दिल्ली में यमुना के 52 किलोमीटर लंबे हिस्से के पुनर्जीवन का कार्य आगे बढ़ाया गया है और इस दिशा में कई मोर्चों पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अगले चरण में वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक के हिस्से पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस कार्य को पूरा होने में अगले दो से ढाई वर्ष का समय और लगेगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार मां यमुना की खोई हुई गौरवशाली पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यमुना को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने दिल्लीवासियों से इस प्रयास में सहभागी बनने की अपील की।

'दिल्ली के प्रदूषण में पंजाब की पराली का योगदान नगण्य', सौरभ भारद्वाज ने भाजपा को घेरा

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार पर निशाना साधा। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार की एजेंसी सफर के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि दीपावली की रात दिल्ली के प्रदूषण में पंजाब की पराली का योगदान नगण्य यानी लगभग शून्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए पंजाब के किसानों और पंजाब के लोगों को जानबूझकर बदनाम कर रही है। भारद्वाज ने यह भी कहा कि दीपावली के आसपास हवा की दिशा पाकिस्तान की ओर होने के कारण पंजाब में पराली जलने से उठने वाला धुआं दिल्ली नहीं पहुंच सकता था। सौरभ भारद्वाज ने 10 नवंबर को मीडिया से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार की संस्था सफर दिल्ली में प्रदूषण के अलग-अलग स्रोतों का आकलन करती है। उन्होंने बताया कि दीपावली से एक रात पहले यानी 8 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का योगदान करीब पांच प्रतिशत दर्ज किया गया था। हालांकि, इस आंकड़े से यह स्पष्ट नहीं होता कि धुआं पंजाब से आया था, हरियाणा से या उत्तर प्रदेश से। वहीं, दीपावली की रात 9 नवंबर को पराली जलने से होने वाले प्रदूषण का योगदान नगण्य यानी लगभग शून्य बताया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सफर के आंकड़े भाजपा सरकार और दिल्ली सरकार के मंत्रियों के उन दावों पर सवाल खड़े करते हैं, जिनमें दिल्ली के प्रदूषण के लिए पंजाब में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। भारद्वाज ने विशेष रूप से दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा नेता अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने हवा की दिशा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सफर की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक दीपावली के आसपास ईस्टरली विंड यानी पूर्वी हवाएं चल रही थीं। उनके मुताबिक, इन हवाओं की दिशा के कारण पंजाब से उठने वाला धुआं पाकिस्तान की ओर जा रहा था। ऐसे में पंजाब में पराली जलने से उठा धुआं दिल्ली तक पहुंचने की संभावना नहीं थी। उन्होंने सवाल किया कि यदि पंजाब का धुआं हवा के साथ पाकिस्तान की ओर जा रहा है तो भाजपा नेताओं को इससे परेशानी क्यों हो रही है? उन्होंने कहा कि प्रदूषण का धुआं किसी विमान से एक जगह से दूसरी जगह नहीं पहुंचता, बल्कि हवा की गति और दिशा के अनुसार आगे बढ़ता है। लंबी दूरी तय करने में इसे दो से तीन दिन तक का समय लग सकता है।

दिल्ली अक्षरधाम में भव्य अन्नकूट का आयोजन

भगवान को अर्पित किए गए 1,256 शुद्ध सात्विक व्यंजन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट और गोवर्धन पूजा का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान के समक्ष 1,256 शुद्ध सात्विक शाकाहारी व्यंजनों का भव्य अन्नकूट भोग अर्पित किया गया। अन्नकूट का अर्थ है 'अन्न का पर्वत।' यह उत्सव भगवान द्वारा प्रदत्त अन्न, द्रव्य, धन आदि की हमें प्राप्ति हुई है, इसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में आज के दिन से नए वर्ष का भी शुभारंभ होता है। उत्सव की शुरुआत प्रातः 11 बजे वैदिक षोडशोपचार विधि से श्री गोवर्धन पूजा के साथ हुई। मंदिर प्रांगण में ही गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक प्रतिकृति बनाई गई थी, जिसमें गोवर्धन पर्वत की शिला-मिटटी भी सम्मिलित की गई थी। पूजन संपन्न होने के बाद दोपहर 12 बजे अन्नकूट दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए, जिसका देशभर से आए हजारों भक्तों ने लाभ लिया।

इस अन्नकूट भोग में घेवर, लड्डू, पेड़ा और हलवा जैसी पारंपरिक भारतीय मिठाइयां, सेव-मठरी जैसे नमकीन, विविध सब्जियां, दालें, चावल के पकवान, फल, विभिन्न पेय रस और आधुनिक बेकरी उत्पाद शामिल थे। हर व्यंजन को कलात्मक ढंग से सजाया गया था। इस अवसर पर दिल्ली अक्षरधाम के मुख्य कार्यवाहक संत मुनिवत्सल दास स्वामीजी ने कहा कि भगवान स्वामिनारायण के समय से चली आ रही दिव्य परंपरा का निर्वहन करते हुए बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था विश्व भर के 1,800 से अधिक मंदिरों में अपार भक्ति और एकता के साथ अन्नकूट मनाती है। यह सैकड़ों स्वयंसेवकों



की अथक सेवा और भक्तिमय सामुदायिक जीवन की भावना का प्रतीक है। परम पूज्य महंतस्वामी महाराज ने अपने संदेश में सभी अनुयायियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए तन, मन, धन से सुखी रहने का आशीर्वाद दिया और साथ ही इष्टनिष्ठा, गुरुनिष्ठा, सिद्धांतनिष्ठा, धर्मनिष्ठा और एकनिष्ठा के पंचामृत से सभी का जीवन धन्य बने ऐसी प्रार्थना की। इस आयोजन के निमित्त पूरे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रंगोलियों, जगमगाते दीपों और पुष्पों-तोरणों से सजाया गया था। दर्शन के लिए देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही।

गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में स्थापित होगा मेडिकल कॉलेज

'दिल्ली सरकार एक बेहद मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है'

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार रघुबीर नगर स्थित गुरु गोबिंद सिंह गवर्नमेंट हॉस्पिटल (जीजीएसजीएच) में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। जिसमें एमबीबीएस की 150 सीटें और पोस्टग्रेजुएट (पीजी) की 40 सीटें होंगी। यह मेडिकल कॉलेज 1322 बेड वाले एक व्यापक स्वास्थ्य परिसर का हिस्सा होगा, जो वेस्ट दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा, विशेष उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार एक बेहद मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है,



जिसमें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ सुलभ और उन्नत उपचार सुविधाएं शामिल हों। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना और इससे जुड़े अस्पतालों का विस्तार लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार मौजूदा अस्पताल परिसर में लगभग 13 एकड़ क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बनाया जाएगा। इससे जुड़े हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर में 472 बिस्तरों वाला एक समर्पित 'मातृ एवं शिशु अस्पताल' और 850 बिस्तरों वाला एक 'जनरल अस्पताल' शामिल होगा, जिन्हें रघुबीर नगर में विकसित किया जा रहा है। यह विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल वर्तमान में वेस्ट दिल्ली की लगभग 10 लाख लोगों की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। इस बुनियादी ढांचे के विस्तार से इस क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष चिकित्सा सेवाओं, आपातकालीन उपचार और क्रिटिकल केयर तक पहुंच और मजबूत होगी।

गाजीपुर में दो हजार टन प्रतिदिन क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट लगेगा

केंद्र देगी 122 करोड़ की सहायता: स्थायी समिति अध्यक्ष

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने गाजीपुर डंपसाइट पर प्रतिदिन 2000 टन ठोस कचरे के निस्तारण और उससे बिजली उत्पादन के लिए अत्याधुनिक वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने का रास्ता साफ कर दिया।

दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि इस परियोजना के लिए मेसर्स जबलपुर एमएसडब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है। प्लांट में उत्पादित बिजली की दर 7.39 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई है, जिसे दिल्ली



विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने 13 अक्टूबर 2026 को मंजूरी दी है। सत्या शर्मा ने बताया कि परियोजना के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की ओर से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत 122 करोड़ रुपये की वायबिलिटी गैप फंडिंग दी जाएगी। परियोजना को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इसके तहत चयनित कंपनी प्लांट का निर्माण, वित्तपोषण और संचालन करेगी। व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने के बाद कंपनी 25 वर्षों तक इसका संचालन करेगी।

उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए निगम की ओर से पारदर्शी ई-निविदा प्रक्रिया अपनाई गई। तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के बाद कंपनी का चयन किया गया। बिजली की दर को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 63 के तहत डीईआरसी से नियामक मंजूरी मिली है।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में बढ़ती कचरे की समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निस्तारण और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। इस प्लांट के शुरू होने से प्रतिदिन 2000 टन कचरे का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जा सकेगा। इससे कचरा प्रबंधन की क्षमता बढ़ेगी और कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना के निर्माण और संचालन के दौरान राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और अन्य पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

वाहनों से प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का लिखित आदेश वेबसाइट पर अपलोड

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण में तेजी से हो रही बढ़ोतरी पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि इस पर लगाम लगाने के लिए तुरंत कार्रवाई की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार, एमसीडी, दिल्ली पुलिस उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान की सरकारों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि पुराने, तय उम्र-सीमा पूरी कर चुके और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाले वाहनों को दिल्ली-एनसीआर में प्रवेश करने और चलने से रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने इन सभी से पूछा है कि दिल्ली और पूरे एनसीआर में चलने वाले व्यावसायिक (कमर्शियल) और निजी वाहनों को रेगुलेट करने के लिए क्या



नियम बनाए गए हैं और उन्हें कैसे लागू किया जा रहा है।

कोर्ट ने जिन बिंदुओं पर दिल्ली एनसीआर से जवाब दाखिल करने को कहा उनमें दिल्ली और एनसीआर में निजी तथा व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश और चलने को नियंत्रित करने के लिए कौन-कौन से नियम लागू हैं? खासकर दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर कैसे रेगुलेट किया जा रहा है? ऐसे वाहनों की पहचान और जांच कैसे की जा रही है जो निर्धारित प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करते? गाड़ियों के पास वैध पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) सर्टिफिकेट होना कैसे सुनिश्चित किया जाता है?

पुरानी, अपनी तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों को सड़कों पर चलने से रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

अधिकारी बताए कि अब तक कितनी गाड़ियों की जांच हुई है? कितनी गाड़ियों के चालान काटे गए हैं और कितनी गाड़ियों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोका गया है? दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अधिकारी आपस में किस तरह तालमेल बनाकर काम कर रहे हैं? दूसरे राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों को नियंत्रित करने और प्रदूषण के नियमों का पालन करवाने के लिए क्या व्यवस्था है?

वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए सरकारें अभी और भविष्य में कौन-कौन से कदम उठाने की योजना बना रही हैं? इसके अलावा यह भी बताना होगा कि मौजूदा नियमों को और सख्ती से लागू करने के लिए क्या बदलाव किए जाएंगे और उन्हें कब तक लागू किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राज्यों को सप्ताह के अंदर अपना जवाब दाखिल करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुज श्रीवात्री को भारत का 100वां ग्रैंडमास्टर बनने पर बधाई दी

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अनुज श्रीवात्री को भारत का 100वां चेस ग्रैंडमास्टर बनने पर बधाई दी। पीएम ने अनुज की उपलब्धि को शानदार बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में लिखा, 'इंडिया ने चेस में सेंचुरी पूरी कर ली है। कमाल है ना? इंडिया अब सौ चेस ग्रैंडमास्टर्स का घर है। भारत के 100वें चेस ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवात्री को बधाई। यह कितनी शानदार उपलब्धि है।' उन्होंने लिखा, 'भारत के लिए 100 ग्रैंडमास्टर्स तक पहुंचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जो हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ-साथ हमारे युवाओं में चेस की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है।' पीएम ने लिखा, 'देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा चेस प्रतिभाओं को उभरते हुए और वैश्विक स्टेज पर अपनी पहचान बनाते हुए देखना खास तौर पर खुशी की बात है। उम्मीद है कि यह उपलब्धि और भी कई



युवाओं को चेस अपनाने और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।' मध्य प्रदेश के रहने वाले अनुज श्रीवात्री रविवार को दिवाली के दिन भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। उन्होंने ये बड़ी उपलब्धि फिलीपींस के सिनाकाबन में '7वीं आसियान प्लस व्यक्तिगत ओपन शतरंज चैंपियनशिप' जीतकर हासिल की। 22 वर्षीय अनुज की टूर्नामेंट में शुरुआत निराशाजनक रही। वो प्रतियोगिता में अपनी पहली बाजी हार गए थे। उसके बाद उन्होंने शानदार और दमदार प्रदर्शन करते हुए संभावित आठ में से सात अंक हासिल किए और खिताब अपने नाम कर लिया। भारत की तरफ से पहले विश्वनाथन आनंद थे। उन्होंने यह उपलब्धि 1988 में हासिल की थी। आनंद ने भी अनुज श्रीवात्री को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा था, 'दीवाली की शुभकामनाएं, 100 का शानदार शतक, भारत को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए अनुज श्रीवात्री को बधाई। मजेदार बात यह है कि आज ही मैं सोच रहा था कि दिसंबर 2027 में मेरे ग्रैंडमास्टर टाइटल को 40 साल पूरे हो जाएंगे, और सचमुच ऐसा ही हो गया।'

दिल्ली के प्रदूषण के लिए दीपावली के पटाखों को विलेन बनाना बंद कीजिए : सीटीआई

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अधिकारियों से अपील की है कि दिल्ली के वायु प्रदूषण के लिए सिर्फ दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराना बंद किया जाए। संगठन का कहना है कि इस समस्या के लिए सालभर वैज्ञानिक और संतुलित उपायों की जरूरत है, न कि ऐसे चुनिंदा प्रतिबंधों की जो व्यापारियों की रोजी-रोटी पर असर डालते हैं। एक बयान में सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि संगठन प्रदूषण के पूरी तरह खिलाफ है और दिल्ली के लिए साफ हवा चाहता है, लेकिन एक ही दिन इस्तेमाल होने वाले पटाखों को शहर के प्रदूषण के लिए दोषी ठहराना सही नहीं है। सीटीआई ने कहा, 'प्रदूषण के लिए हमेशा पटाखा व्यापारियों और दीपावली के पटाखों को विलेन बनाने का फैशन बंद करो।' संगठन ने पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार और पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर काम करने की मांग की।पटाखों पर प्रतिबंधों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए व्यापारिक संगठन ने पूछा कि क्या कोई भरोसेमंद और जवाबदेह संगठन यह गारंटी दे सकता है कि अगर पटाखों की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी जाए, तो अक्टूबर से जनवरी के बीच दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 को पार नहीं करेगा। सीटीआई ने कहा कि वह दिल्ली के अपने से जुड़े पटाखा व्यापारियों को अगले साल दुकानें न लगाने या पटाखे न बेचने के लिए मना सकता है। हालांकि, उसने सवाल किया कि क्या इस कदम से सर्दियों के महीनों में साफ हवा की गारंटी मिलेगी। पटाखों को दिल्ली के प्रदूषण का मुख्य कारण बताने वाले तर्क पर सवाल उठाते हुए सीटीआई ने बताया कि 5, 6 और 7 नवंबर को शहर का एक्यूआई 350 से 400 के बीच रहा, जबकि पटाखे 8 नवंबर को फोड़े गए थे।

संक्षिप्त डायरी

सोसाइटियों में गोवर्धन पूजन की धूम

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। शहर में गोवर्धन पूजा का पर्व सोमवार को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। कुछ सेक्टरों और सोसाइटियों में महिलाओं ने सुबह घरों की साफ-सफाई कर गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाई। शाम को परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों ने एकत्र होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वहीं, कुछ स्थानों पर मंगलवार को गोवर्धन पूजा की जाएगी। शहर के सेक्टर बीटा-1, अल्फा-1, अल्फा-2, गामा-1, डेल्टा-1 और डेल्टा-2 सहित विभिन्न सेक्टरों में गोवर्धन पूजन किया गया। कई मंदिरों में भी गोवर्धन की आकृति बनाकर सामूहिक पूजा का आयोजन हुआ। गोवर्धन के पास दूध, घी, खील, खिलौने और बताशे रखकर पूजा की गई। इसके बाद भक्तों को कचौड़ी, खीर और अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। सेक्टर शिव मंदिर में भी सोमवार को गोवर्धन पूजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मंदिर में एकत्र हुए और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। वहीं, कुछ सेक्टरों और सोसाइटियों में मंगलवार को गोवर्धन पर्व मनाया जाएगा। इसके लिए लोगों ने तैयारियां की हैं।

भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक पर लड्डू

अनप्लग इंडिया

नोएडा। दीपावली के अवसर पर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का 2552वां निर्वाण कल्याणक सोमवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। सेक्टर-27 और सेक्टर-50 स्थित जैन मंदिर में जैन मंदिर में इस मौके पर विशेष धार्मिक आयोजन हुए। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर लड्डू चढ़ाने की परंपरा निभाई गई। श्रद्धालुओं ने 11, 21, और 41 किलो के लड्डुओं सहित विभिन्न आकार के लड्डू भगवान को समर्पित किए। इससे पहले भगवान महावीर स्वामी का विशेष अभिषेक किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर घी से बने लड्डुओं का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने समर्पित किए निर्वाण लाडू मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक और शांतिधारा के बाद धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू समर्पित किए। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक की शुभकामनाएं दीं और पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। जैन समाज द्वारा इस अवसर पर सामूहिक निर्वाण लाडू समर्पण एवं चातुर्मास कलश वितरण समारोह का भी आयोजन हुआ। इसमें आर्यिका 105 आर्यमति माताजी ससंघ के सानिध्य में धार्मिक प्रवचन हुए। इसके साथ ही चातुर्मास के लिए कलश आरक्षित कराने वाले श्रद्धालु परिवारों को कलश वितरित किए गए। निर्वाण महोत्सव का आयोजन जैन धर्म में मान्यता है कि दीपावली के दिन भगवान महावीर स्वामी ने पावापुरी में निर्वाण प्राप्त किया था। इसी की स्मृति में जैन समाज दीपावली को निर्वाण महोत्सव के रूप में मनाता है। इस दिन मंदिरों में भगवान महावीर की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और निर्वाण लाडू चढ़ाया जाता है। श्रद्धालु लड्डू अर्पित कर भगवान महावीर को बताए अहिंसा, सत्य और संयम के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर तैनात अधिशासी अभियंता विद्युत अजीत भाई पटेल ने बेटी के जन्मदिवस के अवसर पर अपने पैतृक गांव बरनपुर के प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कक्षा-5 में पहला स्थान प्राप्त करने वाले छात्र और छात्रा को एक साइकिल पुरस्कार स्वरूप दी गई। इसके साथ ही गांव की गरीब विधवा महिलाओं, दिव्यांगजनों को जरूरत की सामग्री जैसे कंबल, कपड़े, शॉल आदि सामान उपहार के रूप में वितरित की गई। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्रदर्स परिवार बरनपुर की ओर से पिछले 10 साल से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाया गया। अजीत भाई पटेल ने बताया कि यह परंपरा उनके दादा इंद्रकरण सिंह पूर्व प्रधानाचार्य ने शुरू की थी। इस मौके पर ग्रामीणों ने परिवार की इस परंपरा की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में पढ़ाई के प्रति प्रेरणा और समाज में सहयोग की भावना बढ़ती है।

ग्रेटर नोएडा की तीन सड़कें चमकेंगी

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। शहर की तीन महत्वपूर्ण सड़कों की मरम्मत कर चमकाने का काम किया जाएगा। इसके लिए निविदा जारी कर कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। प्राधिकरण इस काम पर लगभग सात करोड़ रुपये खर्च करेगा। यह काम पूरा होने पर आम लोगों को जाम और गड्ढे की समस्या से राहत मिलेगी। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात नियंत्रण के लिए इंटरलॉकिंग टाइल्स वाली सड़क का निर्माण होगा। इस पर 1.64 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह कार्य वर्क सर्किल-4 द्वारा कराया जाएगा। इससे एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और जाम की समस्या कम होगी। वहीं, सेक्टर ओमिक्रॉन-3 में 18 मीटर और 12 मीटर चौड़ी सड़क के साथ डी-ब्लॉक की आंतरिक सड़कों की भी मरम्मत की जाएगी। इस काम पर 1.77 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह काम वर्क सर्किल-6 द्वारा किया। इससे सेक्टर की टूटी सड़कों को नया रूप मिलेगा और लोगों को धूल और गड्ढों से निजात मिलेगी। अधिकारी के मुताबिक अंसल गोल्फ लिंक-1 सोसाइटी के ब्लॉक-ए और ब्लॉक-सी में भी विकास कार्य कराए जाएंगे। यहां आंतरिक सड़कों की मरम्मत पर 3.31 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-34 स्थित अरावली अपार्टमेंट के पार्क में सोमवार को आठवें गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया। जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान कृष्ण और गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना की। भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने गोवर्धन की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान भजन-संध्या का आयोजन किया, जिसमें भजन गायकों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सूर्य की उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 से अधिक छठ घाटों पर साफ सफाई, सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था का काम किया जा रहा है। शुक्रवार यानी 13 नवंबर से नहाय खाय के साथ महापर्व की शुरूआत होगी। प्राधिकरण के साथ छठ आयोजन समितियों ने भी अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत नहाय खाय से होगी। चार दिन तक चलने वाले इस महापर्व के दौरान भोजपुरी लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की धूम रहेगी। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक चेरी काउंटी टेकजोन-4 ग्रेटर नोएडा वेस्ट, आईईसी कॉलेज नॉलेज पार्क-दो के पास स्थित पार्क, नवादा गांव के पास स्थित शनि मंदिर, सेक्टर पाई दो स्थित काली बाड़ी मंदिर, कासना, कुलेसरा पुस्ता, सेक्टर म्यू दो, जू तीन आदि स्थानों पर छठ व्रतियों के लिए विशेष रूप से घाट की व्यवस्था की है। प्राधिकरण के परियोजना, विद्युत अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य आदि विभागों द्वारा घाट की साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। सुरक्षा को लेकर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। वहीं, कृत्रिम तालाबों में पानी भरने की तैयारी की जा रही है। अधिकारी के मुताबिक 10 से अधिक स्थानों पर बड़े स्तर पर छठ पूजा का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा विभिन्न सोसाइटी के स्विमिंग पूल और सेक्टरों के पार्कों में भी लोग छठ पूजा करते हैं।

नोएडा में बर्थडे पार्टी के दौरान स्कूटी टकराने पर खूनी संघर्ष में युवक की मौत, दोस्त की हालत गंभीर

अनप्लग इंडिया

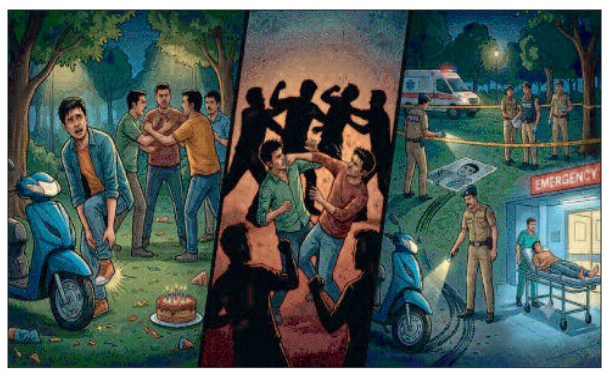

नोएडा। नोएडा के थाना फेज-1 क्षेत्र के अंतर्गत नयाबांस गांव के पास एक पार्क में जन्मदिन की पार्टी के दौरान स्कूटी टकराने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि उसका एक दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 8 और 9 नवंबर की मध्यरात्रि को नयाबांस गांव के पास स्थित एक पार्क में अमित (25) अपने दोस्तों शिवम, यशपाल, आकाश और विनोद के साथ मौजूद था। बताया जा रहा है कि देर रात जब सभी युवक स्कूटी से वहां से जाने लगे तो उनकी स्कूटी पार्क में मौजूद एक अन्य युवक के पैर से टकरा गई। उक्त युवक अपने कुछ साथियों के साथ पार्क में ही एक दोस्त का जन्मदिन मना रहा था। स्कूटी टकराने की बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान हमलावरों की मारपीट में अमित के सिर पर गंभीर चोट लग गई। वहीं, उसके दोस्त शिवम के सिर में भी चोट आई। घटना के बाद दोनों घायलों को उनके दोस्त तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने अमित की जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, शिवम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल शिवम की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है और उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही थाना फेज-1 पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने मौके से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ ही पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। मृतक अमित के शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा, जिससे मौत के कारणों की विधिवत पुष्टि हो सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना में शामिल आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए चार अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जानकारी में विवाद की वजह स्कूटी का एक युवक के पैर से टकराना सामने आया है। मामूली बात पर शुरू हुए इस विवाद में एक युवक की जान चली गई।

छत से युवक के सिर पर गिरा पत्थर, अस्पताल ले जाते समय मौत



अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। मनोहर नगर में दिवाली की रात सिर पर पत्थर गिरने से 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ त्योहार मनाने आया था और छत पर एक कॉल सुनने गया था। इसी दौरान एक पत्थर उसके सिर पर लगा और वह वहीं गिर गया। दोस्त उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया मूल रूप से बिहार का रहने वाला मिथुन अर्जुन नगर में रहता था और प्लंबर का काम करता था। रात करीब 11 बजे उसके मोबाइल पर कॉल आई। इसके बाद वह दोस्तों के साथ बैठना छोडकर छत पर फोन सुनने चला गया। इसी दौरान पास की दूसरी छत से एक भारी पत्थर उसके सिर पर गिरा। मिथुन घायल होकर वहीं गिर पड़ा। उसे स्थानीय सिविल अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर न्यू कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मीडिया से बात नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश में जुटी है।

नोएडा में बंद मकान में आग लगने से घर का सामान जलकर राख, कोई हताहत नहीं



अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-2 क्षेत्र के सेक्टर-110 में सोमवार सुबह एक बंद मकान में आग लगने से घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-110 निवासी धर्मेंद्र गुप्ता अपने परिवार के साथ दीपावली मनाने के लिए घर बंद करके गए हुए थे। सोमवार सुबह उनके मकान में अचानक आग लग गई। उन्होंने बताया कि पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस घटना में घर का सारा सामान जल गया, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। चौबे ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आग लगने की एक अन्य घटना में रविवार रात सेक्टर-22 स्थित एक किराना दुकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाई। इस घटना में भी कोई जनहानि नहीं हुई।

गुरुग्राम में दिवाली की रात प्रदूषण से हुई जहरीली, एक्यूआई स्तर हुआ 900 पार

अनप्लग इंडिया



गुरुग्राम। गुरुग्राम दिवाली की रात पटाखों के धुएं से गुरुग्राम की हवा बेहद खराब हो गई। देर रात तक शहर धुएं की चादर में लिपटा रहा। इससे बीमारों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सांस लेने में परेशानी हुई। अस्थमा और सांस के मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ा। कई सोसायटियों में लोगों ने खिड़कियां बंद कर रात गुजारी। सुबह तक भी शहर में प्रदूषण का स्तर ऊंचा बना रहा। पर्यावरण विशेषज्ञ डा. राम सिंह का कहना है कि पटाखों से निकले जहरीले कण कई दिनों तक हवा में बने रह सकते हैं।गुरुग्राम में जुलाई 2025 में सबसे कम प्रदूषण स्तर 81 एक्यूआई था, जो नवंबर 2026 में दिवाली की रात 900 को पार कर गया। गुरुग्राम में दिवाली की रात पूजा-पाठ करके लोग पटाखे जलाने में जुट गए थे। रात 07:30 बजे एक्यूआई 261 था, जो अगले आधे घंटे में ही बढकर यानी आठ बजे 303 हो गया। 08:31 बजे 374, 09:01 बजे 464, 09:31 बजे 608, रात 11:01 बजे प्रदूषण का स्तर 955 एक्यूआई तक पहुंच गया, जो सबसे अधिक रहा। यानी इस समय में लोगों ने ताबड़तोड़ पटाखे फोड़े और प्रदूषण के स्तर को जानलेवा बना दिया। सोमवार की सुबह 07:01 बजे प्रदूषण का स्तर घटकर 400 एक्यूआई तक पहुंचा। सुप्रीमकोर्ट की ओर से दिवाली पर पटाखे जलाने के लिए समय और दिन तय किए गए थे। सात और आठ नवंबर को सुबह छह से सात बजे तक और रात आठ से 10 बजे तक का समय सिर्फ ग्रीन पटाखे जलाने का तय किया गया था। लोगों ने कई दिन पहले से ही गोदामों से पटाखों की खरीदारी शुरू कर दी थी। यानी ग्रीन से अधिक सामान्य पटाखों की बिक्री पहले ही हो चुकी थी। लोगों ने दिवाली की पूरी रात पटाखे जलाए। नया हो या पुराना गुरुग्राम, हर जगह पर लोगों ने सुप्रीमकोर्ट के आदेशों की परवाह किए बिना ही खूब पटाखे जलाए। इसलिए दिवाली के मौके और उसके बाद गुरुग्राम में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक और गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों की मात्रा बहुत अधिक बढ़ गई है, जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पुराने गुरुग्राम के रिहायशी इलाकों में देर रात तक पटाखों की आवाज गूंजती रही। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी के बीच धुएं का गुबार फैलता चला गया।

स्कूटी टच होने पर विवाद, युवक की मौत, दोस्त घायल

अनप्लग इंडिया

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-15 स्थित एक पार्क में रविवार रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान स्कूटी की टक्कर लगने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष के युवकों ने दिल्ली के अशोकनगर निवासी 25 वर्षीय अमित और उसके दोस्त शिवम के साथ मारपीट की। सिर में गंभीर चोट लगने से अमित की मौत हो गई, जबकि शिवम घायल हो गया। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि सेक्टर-15 स्थित पार्क में अमित अपने दोस्त शिवम, यशपाल, आकाश और विनोद समेत अन्य युवकों के साथ मौजूद था। इसी दौरान सभी स्कूटी से वहां से जाने लगे। शिवम की स्कूटी पार्क में जन्मदिन मना रहे आफताब के पैर से छू गई। इस बात को लेकर आफताब और शिवम के बीच कहासुनी हो गई। आफताब ने शिवम को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। विवाद के बाद शिवम ने भी अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान अमित और शिवम के सिर में चोट लग गई। अमित को गंभीर चोट आई। दोनों को उनके दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। शिवम को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर फेज-1 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अमित के शव का पोस्टमार्टम कराया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया। अमित के पिता संजय की तहरीर पर पुलिस ने गोलू, अभिषेक पंडित और आफताब समेत चार आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एक आरोपी नाबालिग बताया गया है। पुलिस का दावा है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को पहले से जानते थे। ऐसे में पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि स्कूटी की टक्कर से शुरू हुआ विवाद किस तरह इतना बढ़ गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि मारपीट की पूरी घटना और उसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। आरोपियों के मोबाइल फोन बंद वारदात के बाद आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर पहुंची तो वे नहीं मिले। उनके मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन फोन बंद मिले। पुलिस आरोपियों के परिचितों और रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा उनकी लोकेशन और आपसी संपर्कों का पता लगाने के लिए तकनीकी साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों के नशे में होने का अंदेशा पार्क में जन्मदिन की पार्टी के दौरान शराब पीने की बात भी सामने आई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि घटना के समय कौन-कौन शराब के नशे में था।

गुरुग्राम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी ने दी शिकायत

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर (सेवानिवृत) टी.सी. राव ने उद्योग विहार पुलिस थाना में शिकायत दी है। आरोप है कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में अहीर समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। टी.सी. राव का आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री अपने प्रवचनों और बयानों के माध्यम से अहीर समाज में कथित रूप से सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रमों पर रोक लगाने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाने में दी शिकायत में कहा है कि तीन नवंबर को शाम एक राष्ट्रीय चैनल पर डिबेट शो चल रहा था। आरोप है कि बहस में शामिल पैनलिस्ट प्रो. संगीत रागी द्वारा चर्चा के दौरान यादव-अहीर समाज, उनकी गौरवशाली भाषा और सम्मानित पूर्वजों को लेकर कथित रूप से बेहद आपत्तिजनक, अमर्यादित और समाज को नीचा दिखाने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया गया। पूर्व सैन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और वैचारिक असहमति जताने की पूरी स्वतंत्रता है। विचारों की इस आजादी और असहमति की आड़ में किसी पूरे समाज, उसकी ऐतिहासिक पहचान और करोड़ों लोगों के सम्मान को सरेआम ठेस पहुंचाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। मेजर डॉ. टी.सी. राव ने पुलिस प्रशासन से बेहद स्पष्ट और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि संबंधित समाचार चैनल से तीन नवंबर के उस कार्यक्रम की बिना किसी कांट-छांट वाली पूरी रिकॉर्डिंग आधिकारिक तौर पर मंगवाई जाए। वीडियो और ऑडियो के एक-एक हिस्से की बारीकी से जांच हो, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। डॉ. राव ने कहा कि इस मामले में केवल विवादित टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की ही जवाबदेही तय न हो, बल्कि कार्यक्रम का संचालन कर रहे एंकर, चैनल की संपादकीय टीम और लाइव प्रसारण से जुड़े सभी जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस से यह भी अपील की है कि डिजिटल साक्ष्यों को नष्ट होने से बचाने के लिए संबंधित वीडियो और ऑडियो रिकॉर्ड को तुरंत सुरक्षित (प्रिजर्व) किया जाए और आवश्यक गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं। डा. टी.सी. राव ने पुलिस के आला अधिकारियों से आग्रह किया है

गुरुग्राम में गैंगवार, कार से जा रहे युवक की 15 गोलियां मारकर हत्या

अनप्लग इंडिया



गुरुग्राम,। जिला के सिधरावली गांव में सोमवार की सुबह बदमाशों ने सिधरावली गांव के ही दीपक उर्फ दीपू (35) की गोलियां मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर गांव के बस अड्डे के पास उसकी स्विफ्ट कार को दूसरी गाड़ी से ओवरटेक कर रोका और ड्राइविंग सीट पर बैठे दीपक पर फायरिंग की। बताया जा रहा है कि दीपक को करीब 15 गोलियां लगी हैं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह करीब आठ बजे राहगीरों ने कार में उसका लहूलुहान शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। दीपक अशोक राठी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उस पर गैंगस्टर अशोक राठी की पत्नी सुषमा की हत्या का भी आरोप था। पुलिस मामले की जांच गैंगवार के एंगल से भी कर रही है। सोमवार सुबह सिधरावली गांव के बस अड्डे के पास फुट ओवरब्रिज के निकट मारुति स्विफ्ट कार खड़ी मिली। दीपक कार की ड्राइविंग सीट पर मृत पड़ा था। बिलासपुर थाना प्रभारी सुनील ने बताया कि दीपक रात करीब 12 बजे घर से निकला था। आशंका है कि किसी ने उसे फोन करके बुलाया होगा। गांव से निकलकर जैसे ही वह एनएच-48 की सर्विस लेन पर पहुंचा, वहां पहले से मौजूद बदमाशों ने उसे निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने दीपक पर 15 से 20 राउंड फायरिंग की। इनमें से 10 से 15 गोलियां उसे लगने की आशंका है। उसे कितनी गोलियां लगीं, इसकी पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगी। दीपक का नाम दिल्ली-एनसीआर के अपराध जगत में लंबे समय से जुड़ा हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, वह कुख्यात गैंगस्टर अशोक राठी गैंग का सक्रिय सदस्य था। करीब छह साल पहले अशोक राठी की हत्या के बाद भी दीपक इस गैंग में सक्रिय रहा। बताया जा रहा है कि दीपक पर पहले भी दो से तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। दीपक पर गैंगस्टर अशोक राठी की पत्नी सुषमा की हत्या का भी आरोप था। दो सितंबर 2016 को गुरुग्राम के अलीपुर गांव में सुषमा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय हत्या के पीछे अशोक राठी का हाथ होने का शक भी जाहिर किया गया था। इस मामले में दीपक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया था कि अशोक राठी को अपनी पत्नी सुषमा के चरित्र पर शक था। उसने सुषमा की हत्या कराने के लिए सुपारी दी थी। इसके लिए दीपक और ललित कटारिया को तैयार किया गया था।

संपादकीय

महिलाओं के श्रम को आर्थिक पहचान देने की जरूरत है

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में सुबह से शाम तक महिलाएं अपने काम में जुटी रहती हैं। कोई घर के काम निपटाने के बाद पापड़ और अचार बनाने बैठती है, तो कोई खेतों में बुवाई, निराई और कटाई करती है। कई महिलाएं पशुपालन के साथ-साथ मनरेगा के तहत सड़क निर्माण, तालाब की खुदाई, सफाई, पौधारोपण और खेतों की मेड़ बनाने जैसे कामों में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करती हैं। उनकी मेहनत ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बावजूद सवाल यह है कि क्या इस मेहनत के बदले उन्हें उचित आमदनी, आर्थिक पहचान और अपने फैसले लेने की स्वतंत्रता मिल पा रही है?



ग्रामीण राजस्थान में पापड़ और अचार बनाना महिलाओं के लिए रोजगार का एक जाना-पहचाना माध्यम है। घरों में तैयार होने वाले इन उत्पादों की स्थानीय बाजारों में मांग रहती है। कई जगह महिलाएं समूह बनाकर इनका उत्पादन और बिक्री भी करती हैं। इस काम की खासियत यह है कि महिलाएं अपने पारिवारिक दायित्वों के साथ इसे कर सकती हैं। उनके पास पारंपरिक स्वाद, अनुभव और हुनर की पूंजी होती है। लेकिन समस्या यह है कि इस काम का बड़ा हिस्सा छोटे और असंगठित स्तर पर होता है। महिलाओं को उत्पादों का उचित मूल्य, बाजार तक पहुंच और नियमित आमदनी नहीं मिल पाती।

इसके अलावा कई महिलाएं जॉब कार्ड के जरिए भी रोजगार से जुड़ी होती हैं. वे गांव में सड़क निर्माण, तालाबों की मरम्मत, जल संरक्षण, पौधारोपण और मेड़बंदी जैसे कार्यों में हिस्सा लेती हैं। इससे उन्हें गांव के आसपास मजदूरी का अवसर मिलता है और मजदूरी सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचती है। यह व्यवस्था महिलाओं को अपनी कमाई पर नियंत्रण बनाने का अवसर देती है।

देश में महिलाओं के रोजगार की स्थिति को समझने के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की पीएलएफएस 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2025 के दौरान देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की लगभग 20 करोड़ महिलाएं रोजगार में थीं। इनमें पुरुष कामगारों की संख्या 41.6 करोड़ थी। इस तरह देश के कुल 61.6 करोड़ कामगारों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई थी।

रोजगार में भागीदारी के बावजूद महिलाओं की आमदनी में बड़ा अंतर दिखाई देता है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार से जुड़ी महिलाओं की औसत मासिक सकल आमदनी 5,540 रुपये थी, जबकि देशभर की स्वरोजगार वाली महिलाओं की औसत आमदनी 6,374 रुपये थी। यानी ग्रामीण महिलाओं की आमदनी राष्ट्रीय औसत से 834 रुपये, लगभग 13.1 प्रतिशत कम थी। रिपोर्ट यह भी बताती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं में 70.7 प्रतिशत स्वरोजगार से जुड़ी थीं। इनमें परिवार के व्यवसाय में बिना अलग वेतन के सहयोग करने वाली महिलाएं भी शामिल हैं।

भारतीय प्रतिभा की खोज से खिलाड़ियों को मिलेगी नई सुरक्षा



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक, नई दिल्ली

खेल केवल मनोरंजन या प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, साहस, आत्मविश्वास और शारीरिक क्षमता के विकास का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया भर में करोड़ों लोग विभिन्न खेलों से जुड़े हैं। क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती और अन्य संपर्क वाले खेलों में खिलाड़ी अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन करते हैं। लेकिन खेलों की चमक-दमक के पीछे कई ऐसे खतरे भी छिपे होते हैं, जिनकी ओर अक्सर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। इनमें सबसे गंभीर खतरा सिर और मस्तिष्क पर लगने वाली चोटों का है। खेल के दौरान सिर पर लगने वाली चोट कभी-कभी तत्काल दिखाई नहीं देती, लेकिन उसका प्रभाव खिलाड़ी के स्वास्थ्य और भविष्य पर लंबे समय तक पड़ सकता है। ऐसे में यदि समय रहते चोट की पहचान हो जाए तो अनेक गंभीर परिस्थितियों से बचा जा सकता है। इसी दिशा में भारतीय मूल की छात्रा राधिका सरन और उनकी टीम का आविष्कार एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आया है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय से जुड़ी राधिका सरन और उनकी दो सहयोगियों क्लियो पोंटोने तथा सोफिया डेविटो ने खिलाड़ियों में मस्तिष्क की संभावित चोट की पहचान के लिए एक कम लागत वाला उपकरण विकसित किया है। उनकी इस पहल को वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित जेम्स डायसन वैश्विक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान केवल एक तकनीकी आविष्कार की सफलता नहीं है, बल्कि उस मानवीय सोच का भी सम्मान है, जिसमें विज्ञान और अनुसंधान को सीधे लोगों के जीवन की सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इस उपलब्धि ने भारतीय मूल की युवा प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। इस उपकरण का नाम रम्बल रिम्स रखा गया है। यह एक हल्का उपकरण है, जिसे सिर पर पहनकर आँखों की गतिविधियों का परीक्षण किया जा सकता है। इसमें अवरक्त कैमरों का उपयोग किया गया है, जो आँखों की गति और उनके व्यवहार पर नजर रखते हैं। परीक्षण के दौरान खिलाड़ी को कुछ समय तक सामने दिखाई देने वाले लक्ष्य को देखते हुए उसकी गतिविधियों का अनुसरण करना होता है। इसके बाद उपकरण आँखों की गति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और प्रतिक्रिया से जुड़े संकेतों का विश्लेषण करता है। लगभग दो से तीन मिनट में परीक्षण के परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इन परिणामों के आधार पर प्रशिक्षकों और चिकित्सा विशेषज्ञों को यह समझने में सहायता मिल सकती है कि खिलाड़ी में मस्तिष्क की चोट से जुड़े संभावित लक्षण मौजूद हैं या नहीं। इस आविष्कार की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अपेक्षाकृत कम लागत है। सामान्यतः मस्तिष्क की चोट की जाँच के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाओं और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। छोटे खेल संस्थानों, विद्यालयों, ग्रामीण खेल केंद्रों और सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों में ऐसी सुविधाएँ हमेशा उपलब्ध नहीं होतीं। परिणामस्वरूप कई बार खिलाड़ी चोट लगने के बावजूद खेलते रहते हैं। उन्हें लगता है कि मामूली टक्कर या गिरने से कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन मस्तिष्क की चोट के मामले में यह लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। रम्बल रिम्स जैसे उपकरण भविष्य में ऐसी प्रारंभिक जाँच को अधिक सुलभ बनाने में सहायता कर सकते हैं। इसकी लागत 350 डॉलर से कम बताई गई है, जो अत्याधुनिक चिकित्सा परीक्षण उपकरणों की तुलना में इसे अपेक्षाकृत किफायती बनाती है। खेलों में मस्तिष्क की चोट एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। फुटबॉल में खिलाड़ियों के सिर का आपस में टकराना, क्रिकेट में गेंद लगना, मुक्केबाजी में लगातार प्रहार और कुश्ती में जमीन पर गिरना ऐसी परिस्थितियाँ हैं, जिनमें मस्तिष्क प्रभावित हो सकता है। कई बार चोट के तुरंत बाद खिलाड़ी सामान्य दिखाई देता है, लेकिन कुछ समय बाद उसे सिरदर्द, चक्कर, उलझन, थकान, स्मरण शक्ति में कमी और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होने लगती है। ऐसी स्थिति को हल्के में लेना उचित नहीं है। विशेषकर बच्चों और किशोर खिलाड़ियों के मामले में अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता होती है, क्योंकि उनका शरीर और मस्तिष्क अभी विकास की अवस्था में होता है।इस आविष्कार की उपयोगिता केवल बड़े खेल आयोजनों तक सीमित नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल अकादमियों और स्थानीय खेल प्रतियोगिताओं में भी इसका उपयोग संभावित रूप से किया जा सकता है। यदि किसी खिलाड़ी को सिर पर चोट लगती है तो प्रशिक्षक प्रारंभिक परीक्षण के माध्यम से उसकी स्थिति का आकलन करने में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इससे समय रहते चिकित्सकीय जाँच कराने का निर्णय लेना आसान हो सकता है। हालाँकि यह समझना आवश्यक है कि ऐसा उपकरण चिकित्सक का विकल्प नहीं है। यह मस्तिष्क की चोट का अंतिम निदान नहीं करता, बल्कि संभावित समस्या की पहचान में सहायता देने वाला माध्यम है। चोट के संदेह की स्थिति में खिलाड़ी को चिकित्सकीय परीक्षण और विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

राधिका सरन और उनकी सहयोगियों की सफलता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि उन्होंने एक वास्तविक समस्या को समझकर उसके समाधान की दिशा में काम किया। आज विज्ञान और तकनीक का उद्देश्य केवल नई मशीनें बनाना या बाजार में अधिक महँगे उपकरण उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए। उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है। जब युवा शोधकर्ता समाज की किसी गंभीर समस्या को अपने अनुसंधान का विषय बनाते हैं, तब विज्ञान का मानवीय पक्ष सामने आता है। यही सोच किसी भी आविष्कार को विशेष बनाती है। इस उपलब्धि से भारत के युवाओं के लिए भी अनेक संदेश निकलते हैं। हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। छोटे कस्बों, गाँवों और सामान्य परिवारों से आने वाले अनेक विद्यार्थी विज्ञान, गणित, चिकित्सा और तकनीक के क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। आवश्यकता है उन्हें उचित शिक्षा, प्रयोगशालाओं, मार्गदर्शन और शोध के अवसर उपलब्ध कराने की। कई बार आर्थिक संसाधनों की कमी और अनुसंधान के लिए पर्याप्त सुविधाएँ न होने के कारण प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी कल्पनाओं को वास्तविक रूप नहीं दे पाते। यदि विद्यालय स्तर से ही बच्चों में प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और समस्याओं के समाधान खोजने की प्रवृत्ति विकसित की जाए तो भविष्य में देश को अनेक नए आविष्कारक मिल सकते हैं। भारत में खेलों का विस्तार तेजी से हो रहा है। गाँवों और छोटे शहरों में भी बच्चे विभिन्न खेलों में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। खेल अकादमियों और प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे समय में खिलाड़ियों की सुरक्षा को भी उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए जितना उनके प्रदर्शन और पदक जीतने को दिया जाता है। खेल संस्थानों में प्राथमिक चिकित्सा, प्रशिक्षित चिकित्साकर्मियों और चोट की पहचान से जुड़ी सुविधाएँ उपलब्ध कराना आवश्यक है। किसी खिलाड़ी की उपलब्धि तभी सार्थक है, जब उसके स्वास्थ्य और भविष्य की भी रक्षा हो। आज के समय में तकनीक का उपयोग जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संवेदक, आधुनिक चिकित्सा उपकरण और आँकड़ों के विश्लेषण ने स्वास्थ्य सेवाओं के स्वरूप को बदलना शुरू कर दिया है। लेकिन तकनीक की सफलता तभी मानी जाएगी, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। यदि कम लागत वाले उपकरणों के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में भी खिलाड़ियों की प्रारंभिक स्वास्थ्य जाँच संभव हो सके तो यह खेल जगत के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। इसके लिए आविष्कारों का वैज्ञानिक परीक्षण, उनकी विश्वसनीयता और उपयोग की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। राधिका सरन और उनकी टीम को मिला वैश्विक सम्मान हमें यह सोचने का अवसर देता है कि युवा मस्तिष्क केवल अपने व्यक्तिगत भविष्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के कल्याण के लिए भी काम कर सकते हैं। एक छोटी-सी समस्या को गंभीरता से समझने और उसके समाधान के लिए लगातार प्रयास करने से ऐसा आविष्कार जन्म ले सकता है, जो हजारों खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित बनाने में सहायक हो। यह उपलब्धि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो कुछ नया करने और समाज को बेहतर बनाने का सपना देखते हैं।वास्तव में किसी देश की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य शक्ति या खेलों में जीते गए पदकों से नहीं होती, बल्कि उसकी वैज्ञानिक सोच, शोध क्षमता और मानवीय संवेदनाओं से भी होती है। राधिका सरन और उनकी टीम का यह प्रयास इसी दिशा में एक सराहनीय कदम है। खेल के मैदान में जीत का महत्व अपनी जगह है, लेकिन खिलाड़ी का सुरक्षित जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि विज्ञान की सहायता से किसी खिलाड़ी को गंभीर चोट के दुष्परिणामों से बचाया जा सके तो इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है?

गोवर्धन पूजा: प्रकृति और लोकमंगल का सनातन पर्व



कुंवर शील वर्धन प्रताप नारायण सिंह
एडवोकेट/पत्रकार
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गोरखपुर प्रेस क्लब

भारतीय संस्कृति की विशिष्टता उसकी प्रकृति-निष्ठ जीवनदृष्टि, आध्यात्मिक चेतना और लोकमंगल की उदात्त भावना में निहित है। यहां पर्वतों में देवत्व, नदियों में मातृत्व, वृक्षों में जीवन और गौवंश में समृद्धि का दर्शन किया गया है। भारतीय मनीषा ने प्रकृति को कभी मात्र उपभोग की वस्तु नहीं माना, बल्कि उसे जीवन का आधार और सृष्टि के संतुलन का संवाहक स्वीकार किया है। गोवर्धन पूजा इसी सनातन चिंतन, कृतज्ञता और सहअस्तित्व की भावना का अनुपम सांस्कृतिक महोत्सव है। दीपावली के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीला के साथ भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि संस्कृति, गौ-संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के गहन संदेश को अपने भीतर समेटे हुए है।

गोवर्धन पूजा का पौराणिक आख्यान श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में विस्तार से वर्णित है। द्वापर युग में ब्रजवासी वर्षा के देवता इंद्र की प्रसन्नता के लिए यज्ञ और पूजन किया करते थे। बालकृष्ण ने नंदबाबा और ब्रजवासियों को समझाया कि उनके जीवन का वास्तविक आधार गोवर्धन पर्वत, वन-उपवन, गौवंश और प्रकृति से प्राप्त होने वाले संसाधन हैं। पर्वत उन्हें पशुओं के लिए हरीतिमा, गौओं के लिए चारा, जल के स्रोत और जीवनोपयोगी सामग्री प्रदान करता है। अतः प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना ही वास्तविक धर्म है। श्रीकृष्ण की इस प्रेरणा से ब्रजवासियों ने इंद्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत का पूजन किया और अन्नकूट का भव्य आयोजन किया।

इस घटना से देवराज इंद्र का अहंकार आहत हुआ। उन्होंने क्रोधित होकर ब्रजभूमि पर मूसलाधार वर्षा और प्रचंड आंधी का प्रकोप उत्पन्न कर दिया। चारों ओर जलप्लावन और विनाश की आशंका व्याप्त हो गई। तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा अंगुली पर विशाल गोवर्धन पर्वत को धारण कर समस्त ब्रजवासियों, गौवंश और जीव-जंतुओं को उसके नीचे आश्रय प्रदान किया। सात दिनों तक निरंतर वर्षा होती रही, किंतु ब्रजवासियों को कोई क्षति नहीं पहुंची। अंततः इंद्र को अपनी भूल का बोध हुआ और उनका अहंकार विनम्रता में परिवर्तित हो गया। यह प्रसंग केवल एक चमत्कारिक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि अहंकार पर विनम्रता, दंभ पर करुणा और शक्ति पर लोककल्याण की विजय का शाश्वत संदेश है।



गोवर्धन लीला का आध्यात्मिक मर्म यह है कि ईश्वर की वास्तविक आराधना लोकमंगल और सृष्टि के संरक्षण में निहित है। श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को यह बोध कराया कि जिस प्रकृति के संसाधनों से जीवन संचालित होता है, उसके प्रति कृतज्ञता और संरक्षण का भाव रखना ही धर्म का सार है। गोवर्धन पर्वत यहां प्रकृति की समग्र सत्ता का प्रतीक बनकर सामने आता है। पर्वत, वनस्पति, जल, भूमि और पशुधन एक-दूसरे के पूरक हैं। इनमें से किसी एक की उपेक्षा समूचे जीवन-चक्र को प्रभावित कर सकती है। इस दृष्टि से गोवर्धन पूजा भारतीय दर्शन की उस उदात्त परंपरा का परिचायक है, जिसमें समस्त चराचर जगत में एक ही चेतना का दर्शन किया गया है।

इस पर्व का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पक्ष अन्नकूट महोत्सव है। अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ है अन्न का पर्वत। इस अवसर पर विविध प्रकार के व्यंजनों, पकवानों और ऋतुजन्य खाद्य पदार्थों का भोग भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता है। अनेक मंदिरों में छप्पन भोग की परंपरा भी विशेष श्रद्धा के साथ निभाई जाती है। इसके पीछे अन्न के प्रति सम्मान, श्रम के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक सहभागिता की भावना निहित है। भारतीय चिंतन में अन्न को ब्रह्म कहा गया है। तैत्तिरीय उपनिषद का उद्घोष 'अन्नं ब्रह्मेति' अन्न की महत्ता को आध्यात्मिक प्रतिष्ठा प्रदान करता है। अन्न केवल उदरपूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन और सभ्यता की निरंतरता का आधार है। इसलिए अन्नकूट का आयोजन हमें अन्न की पवित्रता, अन्नदाता किसान के श्रम और खाद्यान्न के सम्मान का स्मरण कराता है।

गोवर्धन पूजा का गौ-संस्कृति से भी गहरा संबंध है। भारतीय ग्राम्य जीवन में गौवंश को केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण आधार माना गया है। परंपरागत कृषि व्यवस्था में बैल खेतों की जुताई, परिवहन और अन्य कृषि कार्यों में सहायक रहे हैं, जबकि गाय दुग्ध उत्पादन तथा जैविक खाद के माध्यम से ग्रामीण जीवन को समृद्ध करती रही है। गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर उसका पूजन करना भी इसी ग्रामीण चेतना और प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। इस परंपरा में लोकविश्वास, पारिवारिक सहभागिता और कृषि संस्कृति का सहज समन्वय दिखाई देता है। ब्रजभूमि में गोवर्धन पर्वत का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व अत्यंत व्यापक है। गोवर्धन की परिक्रमा, मानसी गंगा, दानघाटी और राधाकुंड जैसे तीर्थस्थल कृष्णभक्ति की समृद्ध परंपरा के साक्षी हैं। हिंदी साहित्य में भी गोवर्धन लीला और कृष्ण की ब्रजमय छवि को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। भक्तिकालीन कवि सूरदास ने अपनी पदावली में कृष्ण की बाल लीलाओं, गोचारण और ब्रज की भावभूमि का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया है। उनके काव्य में कृष्ण केवल आराध्य देव नहीं, बल्कि लोकजीवन के आत्मीय नायक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इस प्रकार गोवर्धन पूजा धर्म और अध्यात्म के साथ भारतीय साहित्य, संगीत, लोकगीत और सांस्कृतिक विरासत की भी संवाहक है। समकालीन संदर्भों में गोवर्धन पूजा की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। आज मानव सभ्यता पर्यावरणीय असंतुलन, जलसंकट, वनों के विनाश, मृदा प्रदूषण और जैव विविधता के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने मनुष्य और प्रकृति के बीच स्थापित संतुलन को प्रभावित किया है। ऐसे समय में गोवर्धन पूजा का संदेश हमें प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सहअस्तित्व का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है। पर्वतों, नदियों, वनों, पशुओं और कृषि भूमि का संरक्षण केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है।

गोवर्धन पूजा सामाजिक समरसता और सामूहिक उत्तरदायित्व का भी अनुपम संदेश देती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत के नीचे समूचे ब्रज समाज को एक साथ आश्रय प्रदान किया। इस प्रसंग में सामाजिक भेदभाव से परे सामूहिक सुरक्षा, सहयोग और सहभागिता की भावना परिलक्षित होती है। अन्नकूट के अवसर पर सामूहिक भोग और प्रसाद वितरण इसी लोकपरंपरा को आगे बढ़ाते हैं। यह पर्व स्मरण कराता है कि समाज की वास्तविक समृद्धि केवल भौतिक वैभव में नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग, संवेदना और साझा उत्तरदायित्व में निहित है।

वस्तुतः गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान अथवा पौराणिक स्मृति का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय जीवनदर्शन की वह शाश्वत अभिव्यक्ति है, जो मनुष्य को प्रकृति, पशुधन, अन्न और समस्त जीव-जगत के प्रति कृतज्ञ तथा संवेदनशील बने रहने की प्रेरणा देती है। श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना द्वापर युग में था। आवश्यकता इस बात की है कि हम पर्व की परंपराओं को केवल औपचारिक अनुष्ठान तक सीमित न रखें, बल्कि उनके अंतर्निहित जीवनमूल्यों को अपने आचरण में प्रतिष्ठित करें। प्रकृति का सम्मान, अन्न का आदर, गौवंश का संरक्षण और लोकमंगल की भावना ही गोवर्धन पूजा की वास्तविक आध्यात्मिक उपलब्धि है। यही इस सनातन पर्व की कालजयी चेतना और भारतीय संस्कृति का शाश्वत संदेश है।

पद पाने के लिए समाजसेवा का बढ़ता ड्रामा

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

समाजसेवा कभी निस्वार्थ भाव से समाज के दुख-दर्द बांटने, जरूरतमंदों की मदद करने और सामाजिक बदलाव लाने का माध्यम हुआ करती थी। लेकिन बदलते दौर में समाजसेवा की परिभाषा भी कहीं-कहीं बदलती दिखाई दे रही है। अब सेवा से ज्यादा उसका प्रचार, जरूरतमंदों की मदद से ज्यादा कैमरों की मौजूदगी और सामाजिक जिम्मेदारी से ज्यादा पद-प्रतिष्ठा हासिल करने की लालसा नजर आने लगी है। सवाल यह है कि क्या समाजसेवा वास्तव में समाज के लिए हो रही है या समाजसेवा के नाम पर अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हित साधने का नया रास्ता तैयार किया जा रहा है?

आजकल सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में एक नया चलन तेजी से देखने को मिल रहा है। जैसे ही किसी संस्था, संगठन, पंचायत, राजनीतिक दल या सामाजिक मंच पर कोई पद खाली होने की चर्चा शुरू होती है, वैसे ही कुछ लोगों की समाजसेवा अचानक तेज हो जाती है। जो लोग लंबे समय तक समाज की समस्याओं, गरीबों की परेशानियों और जरूरतमंदों की मजबूरियों से अनजान बने रहते हैं, वे अचानक सेवा के बड़े-बड़े दावे करने लगते हैं। कहीं कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित होता है, कहीं राशन बांटने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की जाती हैं, तो कहीं किसी जरूरतमंद परिवार की सहायता करते हुए दर्जनों फोटो खिंचवाए जाते हैं।

यहां सवाल किसी के सेवा कार्य पर उंगली उठाने का नहीं, बल्कि सेवा के पीछे छिपी नीयत और उद्देश्य को समझने का है। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन जब सेवा का मुख्य उद्देश्य किसी पद को हासिल करना, अपनी छवि चमकाना या भविष्य में राजनीतिक लाभ उठाना बन जाए, तब उस प्रवृत्ति पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

समाजसेवा और दिखावे के बीच एक बहुत बारीक लेकिन महत्वपूर्ण अंतर होता है। सच्चा समाजसेवी बिना किसी प्रचार के भी लोगों के दुख-दर्द में शामिल होता है। उसे न तो हर सहायता के बाद फोटो की जरूरत होती है और न ही हर अच्छे काम के बदले सम्मान-पत्र या पद की अपेक्षा। इसके विपरीत, दिखावे की सेवा में अक्सर काम से ज्यादा प्रचार पर ध्यान दिया जाता है। जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी से अधिक महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि कार्यक्रम में कितने लोग आए, कितनी तस्वीरें खिंचीं और सोशल मीडिया पर कितनी प्रतिक्रियाएं मिलीं।

आज सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है। सेवा कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना गलत नहीं है। कई बार प्रचार से दूसरे लोग भी प्रेरित होते हैं और सामाजिक कार्यों के लिए सहयोग मिलता है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब किसी जरूरतमंद की मजबूरी को प्रचार का साधन बना दिया जाता है। उसकी गरीबी, बेबसी और आत्मसम्मान को कैमरे के सामने प्रदर्शित किया जाता है। मदद पाने वाला व्यक्ति कई बार अपनी परिस्थितियों के कारण कुछ कह भी नहीं पाता, जबकि मदद करने वाला अपनी उदारता का प्रचार करने में पीछे नहीं रहता। क्या किसी गरीब की मदद करते समय उसके सम्मान और निजता का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी नहीं है?

एक और चिंताजनक पहलू यह है कि समाजसेवा के नाम पर पदों की दौड़ बढ़ती जा रही है। किसी सामाजिक संस्था का अध्यक्ष बनना हो, किसी संगठन में जिम्मेदारी हासिल करनी हो या

आजकल सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में एक नया चलन तेजी से देखने को मिल रहा है। जैसे ही किसी संस्था, संगठन, पंचायत, राजनीतिक दल या सामाजिक मंच पर कोई पद खाली होने की चर्चा शुरू होती है, वैसे ही कुछ लोगों की समाजसेवा अचानक तेज हो जाती है।

किसी राजनीतिक मंच पर पहचान बनानी हो, इसके लिए सेवा गतिविधियों को उपलब्धियों की सूची की तरह प्रस्तुत किया जाने लगा है। कई बार वर्षों से समाज के लिए काम कर रहे ईमानदार और समर्पित लोगों को पीछे छोड़कर वे लोग आगे आ जाते हैं, जिनकी सक्रियता किसी पद की संभावना दिखाई देने के बाद ही शुरू हुई होती है।

इससे वास्तविक समाजसेवियों का मनोबल भी प्रभावित होता है। जो लोग बिना किसी स्वार्थ के वर्षों से सामाजिक कार्यों में लगे हैं, उन्हें यह देखकर निराशा होती है कि उनके अनुभव, समर्पण और योगदान की तुलना में प्रचार और व्यक्तिगत संपर्कों को अधिक महत्व दिया जा रहा है। सामाजिक संस्थाओं का उद्देश्य समाज के हित में काम करना होना चाहिए, न कि कुछ लोगों के व्यक्तिगत प्रभाव और प्रतिष्ठा को बढ़ाना।

समाज को यह समझना होगा कि पद किसी व्यक्ति की योग्यता का अंतिम प्रमाण नहीं होता। किसी संस्था का अध्यक्ष, प्रधान, पदाधिकारी या प्रतिनिधि बन जाने से कोई व्यक्ति अपने आप समाजसेवी नहीं बन जाता। असली पहचान उसके काम, व्यवहार, ईमानदारी और कठिन परिस्थितियों में निभाई गई जिम्मेदारी से बनती है। पद मिलने के बाद समाज को भूल जाना और पद पाने से पहले समाज के नाम पर बड़े-बड़े दावे करना किसी भी स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।

यह भी जरूरी है कि हम सभी को एक ही नजर से न देखें। आज भी अनेक ऐसे लोग हैं जो वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, गरीब परिवारों की सहायता और सामाजिक सुधार के कार्यों में निस्वार्थ भाव से लगे हुए हैं। वे किसी पद की अपेक्षा नहीं रखते और न ही हर काम का हिसाब प्रचार के माध्यम से देते हैं। ऐसे लोगों का सम्मान होना चाहिए। उनकी पहचान उनके कार्यों से होती है, न कि उनके बैनरों और पोस्टरों से।सवाल यह भी है कि समाज ऐसे दिखावे को बढ़ावा क्यों देता है? कई बार हम भी किसी व्यक्ति के वास्तविक योगदान को जाने बिना उसकी सोशल मीडिया पोस्ट, बड़े आयोजनों और चमकदार तस्वीरों से प्रभावित हो जाते हैं। सम्मान-पत्र बांटने और लेने की परंपरा ने भी कई जगह वास्तविक कार्यों की जगह औपचारिकताओं को महत्व देना शुरू कर दिया है। यदि समाज को बेहतर नेतृत्व चाहिए तो उसे लोगों की लोकप्रियता के बजाय उनके काम का मूल्यांकन करना होगा।

सामाजिक संस्थाओं और संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे पदों का चयन करते समय पारदर्शिता और निष्पक्षता अपनाएं। पदाधिकारी चुनने का आधार केवल आर्थिक ताकत, राजनीतिक पहुंच, भीड़ जुटाने की क्षमता या प्रचार नहीं होना चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति ने समाज के लिए कितना समय दिया है, कितनी समस्याओं का समाधान किया है और क्या वह जिम्मेदारी मिलने के बाद भी उसी निष्ठा से काम करेगा?

समाजसेवा को राजनीति से पूरी तरह अलग रखना संभव नहीं है, क्योंकि जनहित के अनेक कार्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक सहयोग की आवश्यकता होती है। राजनीति में आने या पद प्राप्त करने की इच्छा रखना भी अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन सेवा को केवल सत्ता और प्रतिष्ठा तक पहुंचने की सीढ़ी बना देना निश्चित रूप से गलत है। यदि किसी व्यक्ति की राजनीति में आने की इच्छा है तो उसे खुलकर अपनी महत्वाकांक्षा स्वीकार करनी चाहिए, न कि समाजसेवा की आड़ में व्यक्तिगत स्वार्थ छिपाना चाहिए।

आज जरूरत इस बात की है कि समाज फोटो और भाषण से आगे बढ़कर परिणामों को देखे। किसी ने कितने कंबल बांटे, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कितने जरूरतमंदों तक वास्तविक सहायता पहुंची। कितने कार्यक्रम आयोजित किए, इससे ज्यादा जरूरी यह है कि कितनी समस्याओं का स्थायी समाधान हुआ। कितने सम्मान प्राप्त किए, इससे अधिक मायने रखता है कि कितने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया।

अंततः समाजसेवा कोई मौसमी गतिविधि नहीं, बल्कि निरंतर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। यह चुनाव, पद, सम्मान या किसी विशेष अवसर की मोहताज नहीं होती। असली समाजसेवक वह है जो बिना किसी पद के भी समाज के साथ खड़ा रहे और पद मिलने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी न भूले।

समाज को अब यह तय करना होगा कि उसे पद पाने के लिए समाजसेवा का नाटक करने वाले चेहरे चाहिए या समाज के लिए अपना समय, श्रम और ईमानदारी समर्पित करने वाले लोग।

क्योंकि इतिहास में पहचान उन लोगों की नहीं बनी जिन्होंने सेवा के नाम पर सबसे ज्यादा तस्वीरें खिंचवाई, बल्कि उन लोगों की बनी जिन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के लोगों के जीवन में बदलाव लाया। याद रखना चाहिए कि पद की कुर्सी कुछ समय के लिए मिल सकती है, लेकिन जनता के दिलों में जगह केवल सच्चे कर्मों से ही बनती है।

समाजसेवा को पद पाने का हथियार नहीं, समाज का दर्द समझने का संस्कार बनाइए। आखिर सेवा का असली सम्मान माला, मंच और तालियों में नहीं, बल्कि उस दुआ में है जो किसी जरूरतमंद के दिल से निकलती है।

(लेखिका पी

सार समचार

नगर निगम ने प्रदूषण फैलाने वालों पर ठोंका 45 लाख 82 हजार रुपये जुर्माना

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम की प्रवर्तन टीमें प्रदूषण और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इसी कड़ी में 24 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक 17 दिन में विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों पर कुल 634 चालान जारी किए गए। चालान काटकर 45,82,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई शहर में स्वच्छता नियमों का पालन सुनिश्चित कराने और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई।

नगर निगम की प्रवर्तन टीमों ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग के मामलों में 177 चालान जारी किए। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के 88 और डस्ट मिटिगेशन नियमों की अवहेलना के 85 मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अलावा कूड़ेदान उपलब्ध नहीं होने पर 80 चालान किए गए। खुले में कचरा जलाने के 54 मामलों में कार्रवाई की गई, जबकि पानी की बर्बादी करने वालों के खिलाफ भी 54 चालान जारी किए गए। निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) वेस्ट के नियमों का उल्लंघन करने पर 22 तथा निर्माण कार्य बंद करने के आदेशों की अवहेलना करने पर 11 चालान किए गए। निगम की कार्रवाई में बिना ढके निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहन, अवैध रूप से कचरा डालने, स्टॉर्म वाटर ड्रेन में अवैध कनेक्शन, खुले में शौच, सेप्टेज संबंधी उल्लंघन और अन्य स्वच्छता नियमों के मामले भी शामिल रहे। एमसीजी की ओर से दावा किया गया है कि सड़कों को धूल मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नियमित रोड स्वीपिंग, प्रमुख सड़कों पर पानी का छिड़काव, सड़क किनारों पर जमा मिट्टी को हटाने और धूल नियंत्रण के अन्य उपायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एंटी-स्मॉग गन भी तैनात की गई हैं। इनके माध्यम से धूल कणों को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। निगम की टीमें सड़कों और आसपास के क्षेत्रों की नियमित सफाई कर रही हैं, ताकि धूल के स्रोतों को कम किया जा सके और नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। धूल नियंत्रण अभियान की जमीनी स्तर पर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम की अतिरिक्त आयुक्त अंकिता चौधरी ने जोन-3 में डस्ट एक्शन प्लान के तहत चिन्हित सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर धूल नियंत्रण के उपायों की स्थिति का जायजा लिया और अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की।

दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षाओं के हॉल टिकट जारी, विद्यार्थी समर्थ पोर्टल से करें डाउनलोड : डॉ. धर्म पाल

अनप्लग इंडिया

करनाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने वाले पात्र विद्यार्थियों के लिए एडमिट कार्ड/हॉल टिकट जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपने हॉल टिकट इग्नू समर्थ पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। इस संबंध में इग्नू के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग द्वारा 06 नवंबर 2026 को अधिसूचना जारी की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, करनाल के क्षेत्रीय निदेशक एवं प्रमुख डॉ. धर्म पाल ने बताया कि दिसंबर 2026 की सत्रांत परीक्षाएं 25 नवंबर 2026 से प्रारंभ होने जा रही हैं। इग्नू के ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन कार्यक्रमों में नामांकित सभी पात्र विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अपना हॉल टिकट समय रहते डाउनलोड कर लें तथा उसमें दिए गए सभी विवरणों की सावधानीपूर्वक जांच करें।



विद्यार्थी इग्नू समर्थ पोर्टल के माध्यम से अपने लॉगिन अकाउंट में प्रवेश करके हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल का लिंक निम्नलिखित है डॉ. धर्म पाल ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपने हॉल टिकट में नामांकन संख्या, कार्यक्रम का नाम, परीक्षा केन्द्र, पाठ्यक्रम कोड, परीक्षा की तिथि तथा परीक्षा सत्र से संबंधित सभी विवरणों को ध्यानपूर्वक जांच लें। यदि हॉल टिकट में किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति पाई जाती है, तो विद्यार्थी आवश्यक स्पष्टीकरण एवं सुधार के लिए तत्काल इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल से संपर्क करें। क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी के लिए हॉल टिकट की प्रिंटेड कॉपी तथा वैध इग्नू पहचान पत्र साथ लेकर परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना आवश्यक है। विद्यार्थियों को हॉल टिकट में उल्लिखित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे परीक्षा से संबंधित नवीनतम सूचनाओं एवं दिशा-निर्देशों के लिए इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट तथा समर्थ पोर्टल नियमित रूप से देखते रहें। अंतिम समय की असुविधा से बचने के लिए हॉल टिकट पहले ही डाउनलोड कर लें तथा अपनी परीक्षा तिथियों एवं समय-सारणी की जानकारी सुनिश्चित कर लें। किसी भी तरह की हेल्प के लिए आप इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल पर संपर्क कर सकते है।

जिला युवा महोत्सव-2026 में युवाओं को मिलेगा प्रतिभा प्रदर्शन का सुनहरा अवसर

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, उनकी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करने तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की भावना से जोड़ने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), गुरुग्राम में जिला युवा महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा कौशल एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। युवा समन्वय अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा युवाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और युवा संगठनों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

आईटीआई गुरुग्राम के प्रधानाचार्य रविंद्र यादव ने बताया कि महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक संवाद और नेतृत्व क्षमता की भावना को बढ़ावा देना है। इस वर्ष महोत्सव की प्रमुख थीम 'नशा मुक्त युवा फोर विकसित भारत' निर्धारित की गई है, जिसके माध्यम से युवाओं को नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण का संदेश देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला युवा महोत्सव के तहत छह विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें लोक नृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, कविता लेखन तथा लोक वाद्य यंत्र प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिताओं में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे। इसके लिए प्रतिभागियों का माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 4100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 2100 रुपये प्रदान किए जाएंगे। जिला स्तर पर चयनित विजेताओं को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। वहीं, राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया गया है कि वे इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपनी प्रतिभा के माध्यम से नशामुक्त, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।

आईटीआई गुरुग्राम के प्रधानाचार्य रविंद्र यादव ने बताया कि महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत–2047 के संकल्प से जोड़ना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक संवाद और नेतृत्व क्षमता की भावना को बढ़ावा देना है।

राज्य स्तरीय कपालमोचन मेले को भव्य स्वरूप दें, श्रद्धालुओं की सुविधाओं में न रहे कोई कमी: नायब सिंह सैनी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुनानगर जिले के बिलासपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कपालमोचन मेले को भव्य, दिव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाए। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक मेला प्रदेश की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इसकी गरिमा और ऐतिहासिक महत्व के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को राज्य स्तरीय कपालमोचन मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में लगभग 122 एकड़ क्षेत्र में 20 से 24 नवम्बर तक आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता और सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल यादव, मुख्यमंत्री के ओएसडी बी.बी. भारती, सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया, यमुनानगर की उपायुक्त प्रीति, विभाग के अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया तथा यमुनानगर के अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कपालमोचन मेले में एक भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाए, जिसमें सिखों के सभी दस गुरुओं के गौरवशाली इतिहास, उनके जीवन दर्शन, शिक्षाओं और समाज के प्रति योगदान को सचित्र रूप में प्रदर्शित किया जाए। इसके साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की स्मृति में अम्बाला में निर्मित शहीदी स्मारक की ऐतिहासिक महत्ता को भी प्रमुखता से दर्शाया जाए, ताकि श्रद्धालु देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष से परिचित हो सकें। इसके अतिरिक्त एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लघु फिल्मों का प्रदर्शन कर प्रदेश की विकास यात्रा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के विशिष्ट अतिथि भी इस प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। उन्होंने बताया कि संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत 24 नवम्बर को सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी की राज्य स्तरीय जयंती भी बिलासपुर में मनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को एक यादगार आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं।

इस अवसर पर श्री गुरु नानक देव जी के जीवन, शिक्षाओं और मानवता के प्रति उनके संदेश पर आधारित भव्य ड्रोन शो तथा लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि मेले के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर आकर्षक एवं भव्य तोरणद्वार बनाए जाएं। इन स्वागत द्वारों का नामकरण श्री गुरु नानक देव जी, बाबा बंदा सिंह बहादुर सहित अन्य महान संतों एवं महापुरुषों के नाम पर किया जाए। स्वागत द्वारों और मेला परिसर में गुरबाणी के पवित्र स्वर गूंजते रहें, ताकि श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण की अनुभूति हो।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे, ठहरने के उचित स्थान, स्वच्छ पेयजल तथा महिलाओं एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग पर्याप्त शौचालयों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मेला परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और निर्धारित स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान रखे जाएं। सफाई व्यवस्था ऐसी हो कि पूरे मेला परिसर में कहीं भी कूड़ा-कचरा दिखाई न दे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाए। इससे श्रद्धालुओं को स्थानीय एवं स्वदेशी उत्पादों से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएं, ताकि श्रद्धालु मेले के प्रमुख कार्यक्रमों का आनंद उठा सकें।

भारतीय चिंतन, स्वदेशी अनुसंधान और आत्मनिर्भर युवा विकसित भारत के आधार: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

अनप्लग इंडिया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्वदेशी शोध संस्थान द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती पर 'भारतीय चिंतन, स्वदेशी अनुसंधान और आत्मनिर्भर युवा: विकसित भारत के आधार' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी पवन कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित हुए।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, स्वदेशी चिंतन, सामाजिक समरसता और श्रमिक कल्याण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं विचारधारा पर आधारित आर्थिक आत्मनिर्भरता, श्रमिकों के सम्मान तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान पर विशेष बल दिया। उनका मानना था कि राष्ट्र की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। उनके विचार हमें स्वदेशी को अपनाने, सामाजिक एकता को मजबूत करने, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण और व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देते हैं। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भारतीय चिंतन और स्वदेशी की अवधारणा देश के विकास का मजबूत आधार हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में स्वदेशी अनुसंधान, नवीन तकनीकों का विकास और स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग अत्यंत आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी नागरिकों को एकजूट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने भारतीय संस्कृति को विश्व में सर्वोपरि बताते हुए कहा कि समाज एवं राष्ट्र के नव निर्माण के लिए नवाचार, उद्यमिता, नैतिक मूल्य एवं संस्कार बहुत जरूरी हैं। मुख्य वक्ता पवन ने अपने संबोधन में कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन और विचार भारतीय समाज, स्वदेशी अर्थव्यवस्था तथा राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल वस्तुओं के उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी संस्कृति, ज्ञान, परंपराओं, संसाधनों और क्षमताओं पर विश्वास करने की विचारधारा है। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब युवा अपनी प्रतिभा, कौशल, ज्ञान और अनुसंधान क्षमता का उपयोग देश की आवश्यकताओं के अनुरूप करें। युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजन करने वाला बनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने भारतीय चिंतन को अपनाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा देश की आर्थिक एवं सामाजिक मजबूती में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और वर्तमान समय में स्वदेशी अनुसंधान एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

सिरसा में दर्दनाक सड़क हादसा, तूड़े से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार

तीन युवकों की मौत, चालक फरार

अनप्लग इंडिया

सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। नाथूसरी चौपटा क्षेत्र के गांव नहराना के पास करीब रात 1 बजे एक कार पीछे से तूड़े से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीसरे युवक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार जानकारी के मुताबिक, टियागो कार भट्टू से चौपटा की तरफ जा रही थी। इसी दौरान गांव नहराना के पास कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और आगे चल रही तूड़े से भरी बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और



उसमें सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

अग्रोहा ले जाते समय तीसरे युवक ने तोड़ा दम–हादसे में तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे अग्रोहा रेफर कर दिया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। तीनों मृतकों की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी पुलिस–हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। चौपटा थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हुई है। नाथूसरी चौपटा पुलिस मामले की जांच कर रही है। फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है और हादसे के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

पोर्टल से नहीं, खेतों तक पानी-बिजली पहुंचाने और समय पर भुगतान से होगा किसानों का भला : सैलजा

अनप्लग इंडिया

सिरसा। सिरसा पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा में धान की सरकारी खरीद में आई गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार की कृषि नीतियों पर सवाल उठाए हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार पोर्टलों, घोषणाओं और प्रचार में व्यस्त है, जबकि किसान सिंचाई के पानी, बिजली, फसल खरीद और समय पर भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में धान खरीद का लक्ष्य 58 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया था, लेकिन अब तक लगभग 44.93 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। पिछले वर्षों की तुलना में यह गिरावट चिंताजनक है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसके पीछे मौसम, सिंचाई सुविधाओं, बिजली आपूर्ति और खरीद व्यवस्था की कितनी भूमिका रही है।

सांसद ने कहा कि प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में किसानों को पर्याप्त नहरी पानी और जरूरत के अनुसार बिजली नहीं मिल रही। इसके अतिरिक्त पोर्टल पर पंजीकरण, सत्यापन और तकनीकी खामियों के कारण किसानों को मंडियों में



परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सरकार को डिजिटल व्यवस्था सरल बनानी चाहिए, ताकि तकनीकी समस्याएं किसानों के अधिकारों में बाधा न बनें। सांसद ने कहा कि धान खरीद के बाद भुगतान में देरी किसानों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है। अगली फसल की बुवाई, खाद, बीज और अन्य कृषि जरूरतों के लिए किसानों को समय पर धन मिलना आवश्यक है। कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से मांग की कि धान उत्पादन और सरकारी खरीद में गिरावट के कारणों की निष्पक्ष समीक्षा कराई जाए। मंडियों में शेष धान की खरीद सुनिश्चित हो, लंबित भुगतान तत्काल जारी किए जाएं तथा नहरी पानी और बिजली संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

सांसद ने कहा कि किसानों का वास्तविक भला सरकारी घोषणाओं से नहीं, बल्कि खेतों तक पर्याप्त पानी, नियमित बिजली, फसल का उचित मूल्य और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने से होगा। सरकार को प्रचार के बजाय किसानों की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।

सोनिया गांधी की लोकतंत्र संबंधी चिंताओं पर गंभीरता से विचार जरूरी :

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर व्यक्त चिंताओं का समर्थन किया है। सांसद ने कहा कि सोनिया गांधी ने पिछले बारह वर्षों में लोकतांत्रिक व्यवस्था को हुए नुकसान और संस्थाओं की विश्वसनीयता बहाल करने की चुनौतियों का महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए संस्थाओं की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों और विपक्ष के सम्मान की रक्षा आवश्यक है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस संविधान, सामाजिक सद्भाव और जवाबदेह शासन के प्रति प्रतिबद्ध है। देश की जागरूक जनता लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करेगी।

गीता मंदिर में कार्तिक मास के उपलक्ष्य में हवन-यज्ञ, गोवर्धन पूजा एवं भंडारे का आयोजन



अनप्लग इंडिया

करनाल। गीता मंदिर, सेक्टर-13 में कार्तिक मास के पावन अवसर पर धार्मिक श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित हरीश जी ने मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ संपन्न करवाया।

इस पावन अवसर पर गोवर्धन पूजा भी श्रद्धापूर्वक की गई। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार एवं समस्त समाज की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

हवन-यज्ञ में समस्त समाज के कल्याण, विश्व शांति एवं जनहित की मंगल कामना के साथ आहुतियां अर्पित की गईं। कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर मंदिर प्रधान कैलाश चंद गुप्ता, श्रीमती शकुंतला गुप्ता एवं प्रमोद गर्ग सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर प्रबंधन की ओर से सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

जनगणना-2027 : जिला में 25 जनवरी से शुरू होगी जनसंख्या गणना : डीसी अभिषेक मीणा

अनप्लग इंडिया

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य में भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण अर्थात जनसंख्या गणना का कार्य 25 जनवरी से 28 फरवरी, 2027 तक संचालित किया जाएगा। इसके उपरांत 1 मार्च से 5 मार्च, 2027 तक पांच दिवसीय पुनरीक्षण दौर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जनसंख्या गणना के इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए स्कूल शिक्षकों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जनसंख्या गणना से पूर्व हरियाणा के नागरिकों को 10 जनवरी से 24 जनवरी, 2027 तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इस दौरान नागरिक https//se.census.gov.द्वठ्ठ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। डीसी ने बताया कि जनगणना-2027 में जनगणना प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है। प्रगणक स्मार्टफोन पर उपलब्ध निर्धारित मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़े दर्ज करेंगे। वहीं, जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली के माध्यम से कार्य की प्रगति, प्रशासनिक समन्वय और



क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी को मजबूत बनाया जाएगा। डिजिटल व्यवस्था से आंकड़ों के संकलन में त्रुटियों को कम करने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने में मदद मिलेगी। डीसी ने बताया कि जनसंख्या गणना के दौरान निर्धारित प्रश्नावली के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाएगी। हरियाणा में जारी प्रशिक्षण संबंधी जानकारी के अनुसार, प्रश्नावली में कुल 40 प्रश्न शामिल होंगे। इनके माध्यम से जनसांख्यिकीय, सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक गतिविधियों, भाषा, प्रवास तथा अन्य निर्धारित विषयों से संबंधित विवरण संकलित किए जाएंगे। इन आंकड़ों का उपयोग देश एवं प्रदेश में विकास योजनाओं के निर्माण, सार्वजनिक सुविधाओं की आवश्यकता का आकलन तथा विभिन्न क्षेत्रों की जनसंख्या संबंधी जरूरतों को समझने में किया जाएगा। इसलिए प्रत्येक परिवार एवं नागरिक की भागीदारी जनगणना को सफल बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। डीसी ने कहा कि जनगणना के द्वितीय चरण में स्कूल शिक्षकों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि जनगणना कार्य के लिए नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी, निष्ठा एवं तत्परता से करें। जनगणना कार्य में लगाए जाने वाले कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि जनसंख्या गणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा में सुचारू रूप से पूरा किया जा सके।

डीसी ने बताया कि जनगणना-2027 डिजिटल माध्यम से आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ों का संग्रहण तथा ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने जिला के सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्व-गणना के दौरान सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें तथा जनगणना कर्मचारियों के घर-घर पहुंचने पर उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाकर पूरा सहयोग दें। स्व-गणना के माध्यम से नागरिक पहले ही अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे, जबकि इसके बाद प्रगणक घर-घर जाकर आवश्यक जानकारी एकत्रित एवं सत्यापित करेंगे।

डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से यह भी अपील की है कि वे जनगणना के दौरान प्रगणकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए अपना आधार नंबर, पासपोर्ट नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर तथा मतदाता पहचान पत्र नंबर पहले से तैयार रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विवरण प्रगणकों को उपलब्ध करवाए जा सकें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनगणना के अधिकृत कर्मचारियों को उनके सरकारी कार्यों के निर्वहन में बाधा पहुंचाने, उनके कार्य में हस्तक्षेप करने अथवा जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की रुकावट पैदा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा 11(1)(क) के अंतर्गत ऐसे कृत्य के लिए तीन वर्ष तक के कारावास तथा एक हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

दीपावली की रात घर में घुसकर परिवार पर हमला, गड़ासी से काटकर युवक की हत्या, एक घायल; 9 पर मुकदमा

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। जिले के बसरा गांव में दीपावली की रात पुरानी रंजिश में घर में घुसकर हमला किया गया। लाठी-डंडों और गड़ासी से पिटाई में रमेश यादव की मौत हो गई, जबकि भाई और 17 वर्षीय भतीजा घायल हैं। पुलिस ने आठ नामजद और एक अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गांव में फोर्स तैनात की है। दीपावली की रात जब परिवार घर में त्योहार मना रहा था, तभी पुरानी रंजिश में हमलावरों ने घर में घुसकर हमला बोल दिया। लाठी-डंडों और गड़ासी से किए गए हमले में रमेश यादव (40) की मौत हो गई, जबकि उनके भाई मुन्नू यादव (50) और 17 वर्षीय भतीजा प्रदीप यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन जिला अस्पताल ले जाते समय रमेश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मामला तेजी बाजार थाना क्षेत्र के बसरा गांव का है। मृतक के बेटे शुभम यादव के अनुसार, रविवार रात करीब आठ बजे परिवार के लोग घर में दीपावली मना रहे थे। इसी दौरान गांव की चौहान बस्ती से आठ से दस लोग लाठी-डंडों और गड़ासी से लैस होकर घर में घुस आए। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपियों ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में रमेश, उनके भाई मुन्नू और भतीजे प्रदीप को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना पर 108 एंबुलेंस से तीनों घायलों को बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। रमेश की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, वहां पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। मुन्नू और प्रदीप को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुन्नू के दाहिने हाथ के पंजे में फ्रैक्चर है, जबकि प्रदीप का बायां हाथ टूट गया है। परिवार के लोगों का आरोप है कि करीब एक सप्ताह पहले पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। इसी विवाद को लेकर दोबारा हमला किया गया। मृतक के बेटे शुभम की तहरीर पर पुलिस ने रितेश चौहान, लालू, प्रेम, शिवा, शैलेश, राम सिंह, वीरे चौहान और एक अज्ञात महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। रमेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। मामले की जांच जारी है।

साइबर ठगों का आसान शिकार बन रहे बुजुर्ग, 90 करोड़ की ठगी में 30 से 35 % से अधिक हिस्सा

अनप्लग इंडिया

कानपुर। में साइबर ठगों के निशाने पर सबसे ज्यादा सीनियर सिटीजन आ रहे हैं। इस साल के आठ महीनों में हुई 90 करोड़ की साइबर ठगी में 30 से 35 फीसदी रकम बुजुर्गों की है, जो पारिवारिक प्रतिष्ठा के डर से अक्सर चुप्पी साध लेते हैं। कानपुर में 60 की उम्र तक पहुंचने में कभी किसी लालच में भले ही न फंसे हों लेकिन उम्र का यह पड़ाव पार करने के बाद बुजुर्ग साइबर ठगी का सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं। कभी निवेश के नाम पर रकम दूनी करने का लालच तो कभी किसी अपराध में फंसाने का डर दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठग सीनियर सिटीजन को चूना लगा रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक इस साल के आठ महीनों में 90 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी हुई है। इसमें 30 से 35 फीसदी रकम सीनियर सिटीजन से ही ठगी गई है। इससे भी बड़ी हैरत की बात यह है कि परिवार में सबसे बड़े व समझदार माने जाने वाले बुजुर्ग जब खुद ही ठगी का शिकार होते हैं तो उसी परिवार में अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए चुप्पी साधे रहते हैं। जब तक पुलिस के सामने आते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। सीनियर सिटीजन से ठगी जाने वाली रकम अधिक है कुछ मामलों में तो पत्नी और बच्चों की ओर से जोर दिए जाने के बाद ठगी का शिकार बुजुर्गों के लड़खड़ाते कदम साइबर थाने तक पहुंचते हैं। साइबर थाने के इंस्पेक्टर अभय सिंह का कहना है कि ठगी का शिकार होने वाले सीनियर सिटीजन की संख्या तो कम है। फिर भी उनसे ठगी जाने वाली रकम अधिक है, क्योंकि उनके पास से साइबर ठगों को कम समय में एक बड़ी रकम आसानी से हाथ लग जाती है। केस- एकः डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 1.83 करोड़ की ठगी इस साल अगस्त में कल्याणपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से रिटायर्ड सरकारी अधिकारी को ठगों ने अपने जाल में फंसाया। अपराधियों ने खुद को पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय का अधिकारी बताया और मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। बुजुर्ग को डराकर 12 से 14 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। करीब 1.83 करोड़ रुपये साइबर ठगों ने अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। केस-दोः 48.20 लाख ठगी के बाद परिवार लाया सामने इसी साल सितंबर में स्वरूपनगर निवासी 72 वर्षीय सेवानिवत्त बुजुर्ग को भी साइबर ठगों ने खुद को सीबीआई और मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर डराया। उनके नाम का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में बताया। जेल भेजने की धमकी देकर तीन चार बार में 48.20 लाख अपने फर्जी खातों में ट्रांसफर करवा लिए। कई दिनों तक पीड़ित बुजुर्ग ने किसी से कोई शिकायत नहीं की। जब बात परिवार को पता लगी तब जाकर मामला पुलिस तक पहुंचा।स- तीनः पेंशनर कार्ड पाने के लिए गंवाए 5.40 लाख अक्तूबर 2026 में बाबूपुरवा इलाके के रहने वाले एक बुजुर्ग प्रदीप कुमार आइच के पास ठगों ने बैंक कर्मचारी बनकर फोन किया। बुजुर्ग को झांसा दिया कि आपको सीनियर सिटीजन पेंशनर कार्ड भेजा जा रहा है। व्हाट्सएप पर भेजे गए लिंक/फाइल को खुलवाकर मोबाइल हैक कर लिया। ठगों ने ई-मेल आईडी बदलकर उनके खाते से 5.40 लाख कम कर दिए।

दो दिन में झुलसने के 100 से अधिक मामले, हैलट और उर्सला की बर्न यूनिट फुल, डॉक्टरों ने दी ये सलाह



अनप्लग इंडिया

कानपुर। कानपुर में पिछले दो दिनों के दौरान आग से झुलसने के सौ से अधिक मामले सामने आने से हैलट और उर्सला अस्पताल की बर्न यूनिट फुल हो गई हैं। गंभीर रूप से झुलसे करीब 40 प्रतिशत मरीजों को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। कानपुर में पिछले दो दिनों के दौरान आग से झुलसने (बर्न) के मामलों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है। शहर के प्रमुख अस्पतालों में दो दिन के भीतर 100 से अधिक गंभीर और हल्के मामले पहुंच चुके हैं, जिसके चलते उर्सला और हैलट स्पताल की बर्न यूनिट पूरी तरह फुल हो चुकी है। गंभीर रूप से झुलसे करीब 40 प्रतिशत मरीजों की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के उच्च स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रेफर करना पड़ा है। हैलट, उर्सला के अलावा कांशीराम अस्पताल, केपीएम और अन्य स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों पर भी लगातार झुलसे हुए मरीज पहुंच रहे हैं। तीसरे दिन भी मरीजों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। डॉक्टरों ने लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है।

घर में चल रही थी पूजन की तैयारी, कमरे में फंदे से लटका मिला युवती का शव; इकलौती बेटी मौत से मातम

अनप्लग इंडिया



वाराणसी। जिले के कुलमनपुर गांव में दीपावली के दिन 19 वर्षीय प्रियंका मोदनवाल का शव घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में फंदे से लटका मिला। भाभी ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रियंका दो भाइयों की इकलौती बहन थी। दीपावली के दिन घर में जहां पर्व की तैयारियां चल रही थीं, वहीं एक परिवार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं। गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के कुलमनपुर गांव में 19 वर्षीय युवती का शव घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती दो भाइयों की इकलौती बहन थी। कुलमनपुर गांव निवासी भारत मोदनवाल की पुत्री प्रियंका मोदनवाल (19) रविवार को घर की दूसरी मंजिल पर स्थित एक कमरे में थी। बताया गया कि दीपावली के दिन परिवार के अन्य सदस्य घर के बाहर पर्व की तैयारियों में व्यस्त थे। इसी दौरान प्रियंका की भाभी किसी काम से मकान की दूसरी मंजिल पर पहुंचीं। कमरे के अंदर प्रियंका का शव फंदे से लटका देखकर वह घबरा गईं। उनकी चीख सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही जंगीगंज चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रियंका की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दीपावली के दिन जिस घर में त्योहार की तैयारियां हो रही थीं, वहां कुछ ही देर में मातम पसर गया। बताया जाता है कि प्रियंका अपने दो भाइयों की इकलौती बहन थी। उसकी अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार युवती की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल घटनास्थल से मिले तथ्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले युवती की परिस्थितियां क्या थीं।

सुमेरपुर पुलिस ने जुआ खेल रहे 6 जुआंरियों को दबोचकर 5 हजार 180 रुपये किये बरामद



हमीरपुर (अनप्लग इंडिया) सुमेरपुर पुलिस ने गश्त के दौरान बांकी रोड स्थित पानी की टंकी के पास मैदान में ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 6 लोगों को दबोचकर 5 हजार एक सौ अस्सी रुपये बरामद करने में कामयाबी हासिल की। सुमेरपुर पुलिस ने सभी जुआरियों के खिलाफ मु0अ0सं0-374/2026 धारा 13 एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की इस कार्यवाही से कस्बे के जुआंरियों में हड़कंप मचा है। सुमेरपुर थाना प्रभारी पवन पटेल ने बताया कि दबोचे गये जुआरियों में खासतौर से मौदहा के पिपरौंदा निवासी 50 वर्षीय राजा बाबू पुत्र दुर्जन अहिरवार, जबकि 40 वर्षीय सुमेरपुर निवासी मनोज कुमार पुत्र राधाचरण अवस्थी, 38 वर्षीय कांशीराम कालोनी निवासी मातादीन पुत्र कढ़ोरीलाल अनुरागी, 28 वर्षीय सुमेरपुर निवासी सोनू पुत्र स्व0 रामकृपाल साहू, 40 वर्षीय सुमेरपुर,पलरा निवासी कल्लू उर्फ सुखराम पुत्र शिवचरन प्रजापति सहित सुमेरपुर कस्बा निवासी 40 वर्षीय गोरेलाल पुत्र चुन्नूबाद कुशवाहा शामिल हैं। जुआरियों को दबोचने वालों में खासतौर से एस आई अमोल सिंह सहित पुलिस टीम शामिल रहीं।

आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने एडवोकेट शुभेन्द्र धुरिया को सौंपी चित्रकूट मंडल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी-



अनप्लग इंडिया

हमीरपुर) उत्तर प्रदेश मीडिया प्रभारी अर्पित पटेल ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) को और ज्यादा मजबूत और दमदार बनाने के मद्देनजर हमीरपुर के एडवोकेट शुभेन्द्र धुरिया को चित्रकूट मंडल का मंडल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी की तरफ से सौंपी गई इस खास जिम्मेदारी से संगठन के कार्यकताओं के साथ ही समर्थकों में खुशी का माहौल है। एडवोकेट शुभेन्द्र धुरिया पार्टी की नीतियों, विचारधारा के साथ ही बहुजन महापुरुषों के संघर्ष और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों को मीडिया एवं सोशल मीडिया के जरिये से दमदार तौर से प्रसारित करने का काम करेंगे। इस मौके पर एडवोकेट शुभेन्द्र धुरिया ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जरुरी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगे। संगठन की विचारधारा, बहुजन समाज के हक-अधिकारों के साथ ही सामाजिक इंसाफ की आवाज को मजबूती से उठाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।

मारा कहीं, फेंका यहीं, सुनसान इलाकों को चुन रहे हैं अपराधी, ऐसे छिपा रहे कत्ल के राज

अनप्लग इंडिया



कानपुर। और आसपास के बाहरी इलाकों को अपराधी कत्ल के बाद साक्ष्य मिटाने और पहचान छिपाने के लिए डमपिंग यार्ड के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पुलिस सर्विलांस से कई मर्डर मिस्ट्री सुलझाई गई हैं, लेकिन कई अज्ञात शव आज भी पहेली बने हैं। मारो कहीं, फेंको यहीं...अपराधियों की यह सोच अब शहर और उससे सटे इलाकों में साफ दिखाई देने लगी है। हत्या कहीं और करने के बाद शव को ठिकाने लगाने, साक्ष्य मिटाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए अपराधी शहर के बाहरी और सुनसान इलाकों को चुन रहे हैं। नहर किनारे, खेतों के बीच, जंगलों, झाड़ियों और वीरान सड़कों पर मिल रहे शव इसकी गवाही दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से अब तक ऐसे कई मामले सामने आए हैं। इनमें हत्यारोपियों ने पहचान छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, जलाया, कूंचा और सुनसान जगह फेंक दिया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से कई हत्याकांडों का पदार्फाश किया लेकिन कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें मृतकों की पहचान तक नहीं हो सकी। हाल में ही कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार और राष्ट्रीय बॉक्सर मंतशा कुमारी के शव भी दूसरे जिलों से लाकर यहीं फेंके गए। सचेंडी, पनकी, चकेरी, महाराजपुर, सजेती, घाटमपुर, साढ़, सेन पश्चिम पारा, बिधनू और रेउना जैसे थाना क्षेत्रों में समय-समय पर अज्ञात शव मिलने की घटनाएं सामने आती रही हैं। शहर की सीमा से लगे होने, कम आबादी और लंबे सुनसान रास्तों के कारण ये स्थान अपराधियों को मुफीद नजर आते हैं। नहर किनारे और जंगलों में शव फेंकने की घटनाएं भी इसी ओर इशारा करती हैं। पहचान मिटाने के लिए अपनाते क्रूर तरीके कई मामलों में अपराधी शव जलाने, चेहरे को क्षतविक्षत करने, हाथ-पैर बांधने या कपड़े हटाने जैसी हरकतें करते हैं, ताकि मृतक की पहचान न हो सके। कुछ मामलों में शवों को बोरे, पॉलिथीन या चादर में बांधकर फेंका जाता है। अपराधियों की मंशा होती है कि पहचान में देरी हो और उन्हें फरार होने का समय मिल जाए। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती शव मिलने के बाद पुलिस के सामने सबसे पहली चुनौती मृतक की पहचान करना होती है। पहचान होने के बाद ही उसके संपर्कों, पारिवारिक विवाद, रंजिश और आखिरी बार देखे जाने की जानकारी जुटाकर जांच आगे बढ़ती है।

सेवापुस्तिका में गड़बड़ी करने के आरोप में बेसिक शिक्षा निदेशक समेत 2 पर FIR; पूर्व कर्मचारी ने दी शिकायत

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज । सेवापुस्तिका में गड़बड़ी करने के आरोप में बेसिक शिक्षा निदेशक समेत दो पर मुकदमा दर्ज किया गया है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के तत्कालीन सचिव रहते हुए सेवापुस्तिका में गलत प्रविष्टि कराने का आरोप है। पूर्व कर्मचारी की शिकायत पर वरिष्ठ सहायक भी नामजद किए गए हैं। कर्नलगंज पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी समेत दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों पर परीक्षा नियामक प्राधिकारी में तैनाती के दौरान एक कर्मचारी की सेवापुस्तिका में गलत प्रविष्टि दर्ज कराने का आरोप है। मामले में कोर्ट के आदेश पर परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) तत्कालीन सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी के साथ वरिष्ठ सहायक इष्टदेव उपाध्याय को भी नामजद किया गया है। एफआईआर के मुताबिक, सिविल लाइंस निवासी शशि कुमार यादव ने बताया कि वह वर्ष 1995 से परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय में काम कर रहे थे। ए इस छुट्टी को 27 जुलाई 2021 को वेतन सहित मंजूरी मिली थी। आरोप है कि 24 जून 2021 को तत्कालीन सचिव के निर्देश पर वरिष्ठ सहायक ने उनकी मूल सेवापुस्तिका और निजी पत्रावली मंगवाई थी। बाद में जब सेवापुस्तिका मिली तो उसमें 31 मार्च 2021 की तारीख से प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज थी। शशि कुमार का कहना है कि 22 जून 2021 को सेवापुस्तिका की प्रमाणित कॉपी में यह प्रविष्टि नहीं थी। कर्नलगंज पुलिस ने शुरू की जांच सूचना का अधिकार के तहत मिली जानकारी और कार्यालय के रजिस्टर के आधार पर उन्होंने आरोप लगाया कि प्रविष्टि बाद में दर्ज कर पुरानी तारीख डाल दी गई। कर्नलगंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि एफआईआर दर्ज की गई है, सभी पहलुओं पर जांच की जांच की गई। वहीं, इस संबंध में उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के डायरेक्टर अनिल भूषण चतुर्वेदी का कहना है कि अभी इस फिर के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। जानकारी होने पर ही इस पर कुछ बता सकूंगा।

दो लोगों ने युवक को दबोचा, तीसरे ने ग्राइंडर से काटा हाथ, नेतराम की चीखों से दहल उठा इलाका

अनप्लग इंडिया



बरेली यूपी के बरेली से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो लोगों ने एक युवक को पकड़कर उसका हाथ ग्राइंडर से काट दिया। मामले में पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के गांव बभिया में दिवाली की रात एक युवक का हाथ ग्राइंडर से काट दिया गया। पुलिस ने पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बभिया निवासी नारन देवी ने पुलिस को बताया कि उनके पति नेतराम का गांव के रामसरन, गोविंद और दन्ने से पुराना विवाद है। आरोपी अक्सर नेतराम से गाली-गलौज करते थे। दिवाली की रात साढ़े आठ बजे नेतराम कहीं से अपने घर लौट रहे थे। गली के मोड़ पर तीनों ने उनको रोक लिया और गालियां देने लगे। नेतराम ने मना किया तो दन्ने ने उन्हें पीछे से दबोच लिया और गोविंद ने उनका बायां हाथ पकड़ लिया। इस दौरान रामसरन अपने घर से ग्राइंडर ले आया और नेतराम का बायां हाथ कलाई से काट दिया, जो शरीर से अलग हो गया। नेतराम की चीख सुनकर पिता अनोखेलाल, नारन देवी और आसपास के लोग पहुंचे तो जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी वहां से भाग गए। नेतराम को एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। नारन देवी की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक अमरजीत सिंह को सौंपी गई है। दूसरे पक्ष का आरोपी भी अपना हाथ कटा बताकर किसी अस्पताल में भर्ती हो गया है। उसने भी रिपोर्ट कराने के लिए तहरीर दी है। हालांकि, उसका आरोप भ्रामक लग रहा है।

कर्मों का लेखा-जोखा याद दिलाएगी यम द्वितीया, 12:36 बजे से शुरू होगा मुहूर्त; होगी विशेष पूजा

अनप्लग इंडिया



वाराणसी। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक भाई दूज और भगवान चित्रगुप्त का पूजनोत्सव 10 नवंबर को मनाया जाएगा। कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि दोपहर 12:36 बजे शुरू होगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार बहन के घर भोजन और यमुना स्नान से यमभय से मुक्ति मिलती है। चित्रगुप्त पूजन में कलम-दवात की पूजा होगी। भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ जीवन में किए गए कर्मों का हिसाब रखने का संदेश देने वाला पर्व भाई दूज मंगलवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाए जाने वाले इस पर्व को यम द्वितीया भी कहते हैं। इसी दिन कायस्थ समाज के आराध्य भगवान चित्रगुप्त का पूजनोत्सव भी होगा। इस अवसर पर कलम-दवात की पूजा कर ज्ञान, विवेक और सद्कर्मों की कामना की जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भाई दूज पर बहन के घर जाकर भोजन करना और उसका आतिथ्य स्वीकार करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे भाई को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता। वहीं, भाई-बहन के एक साथ यमुना स्नान करने से यमराज के भय से मुक्ति मिलती है। इस पर्व के पीछे भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का संदेश भी छिपा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय ने बताया कि कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 12:36 बजे शुरू होकर 11 नवंबर को दोपहर 1:59 बजे तक रहेगी। शास्त्रसम्मत परंपरा के अनुसार भाई दूज, यम द्वितीया और चित्रगुप्त पूजन पूर्वविद्धा तथा मध्याह्न-अपराह्न व्यापिनी तिथि में करने का विधान है। चित्रगुप्त का प्राकट्य पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान चित्रगुप्त को जीवों के कथा के मुताबिक, ब्रह्मा जी ने जब सृष्टि के प्राणियों के शुभ-अशुभ कर्मों का हिसाब रखने की जिम्मेदारी यमराज को सौंपी तो बढ़ती आबादी के कारण यह कार्य कठिन होने लगा। यमराज की समस्या सुनकर ब्रह्मा जी 11 हजार वर्षों तक तपस्या में लीन रहे।

सुबह टहलने निकले कारोबारी को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौके पर मौत

अनप्लग इंडिया

बरेली बरेली में कारोबारी विनय गुप्ता को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वह मंगलवार सुबह टहलने निकले थे। पुलिस ने वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। बरेली में मंगलवार सुबह टहलने निकले पेट्रोल पंप संचालक विनय गुप्ता (63) की हादसे में मौत हो गई। उन्हें किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसा कैंट क्षेत्र में मिलिट्री अस्पताल के पास हुआ। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने विनय गुप्ता को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गार्डन निवासी विनय गुप्ता पेट्रोल पंप संचालक थे। परिजन के मुताबिक, वह रोज की तरह मंगलवार सुबह टहलने निकले थे। इसी दौरान किसी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। हादसे के बाद पुलिस को विनय की जेब से मोबाइल फोन और कुछ जरूरी कागजात मिले। इन्हीं के आधार पर पुलिस ने उनके परिवार से संपर्क किया। मौत की खबर मिलते ही परिजन जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंच गए। विनय की मौत से पत्नी बरखा का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उनकी दो बेटियां बाहर रहती हैं। हादसे की खबर से रामपुर गार्डन में शोक विनय गुप्ता पेट्रोल पंप संचालक के साथ ही शहर के बड़े कारोबारियों में शुमार थे। हादसे की खबर मिलते ही उनके परिचित और रिश्तेदार जिला अस्पताल पहुंचने लगे। अचानक हुई मौत से रामपुर गार्डन में भी शोक का माहौल है। विनय गुप्ता की मौत की जानकारी मिलने पर बरेली अपने घर आए हुए झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार भी परिजन से मिलने पहुंचे। कैंट विधायक संजीव अग्रवाल और बिथरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने भी परिवार को सांत्वना दी। जनप्रतिनिधियों ने परिजन को ढांढस बंधाया और पुलिस अधिकारियों से हादसे की जानकारी ली। पुलिस ने हादसे के बाद अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी। घटनास्थल और आसपास की दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

आर्यवीर सहवाग का तूफान!

यूएई के खिलाफ 168 गेंदों में ठोके 160 रन, पिता सहवाग की याद दिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वीरेंद्र सहवाग के करियर का अंत आज से कई साल पहले हो गया था, लेकिन उनके परिवार में क्रिकेट की विरासत को उनके बेटे आगे बढ़ा रहे हैं। वो भी कोई छोटे मंच पर नहीं, बल्कि भारत के लिए अंडर 19 एशिया कप में शानदार खेल का मुजाहिरा पेश कर रहे हैं।

वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग भारत की अंडर 19 एशिया कप टीम में चुना गया है, जहां वे शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने एशिया कप के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ तूफानी 70 रनों की पारी खेली थी, लेकिन अब दूसरे मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ शतक जड़ दिया है। उन्होंने इस मैच में परिस्थितियों को परखा, उसके बाद विकेट के अनुसार अपने शॉट्स का सिलेक्शन किया। उन्होंने आज के मुकाबले में खेल की जरूरत को समझते हुए कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई और 131 गेंदों का सामना करते हुए शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के लिए उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। आर्यवीर सहवाग ने इस मुकाबले में आउट होने से पहले 168 गेंदों का सामना करते हुए कुल 160 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 चौके और 7 छक्के लगे। उनका स्ट्राइक रेट 95.24 रहा।

19 साल के हैं वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर

आर्यवीर सहवाग का जन्म 19 अक्टूबर 2007 को हुआ था। वे 19 साल के हैं। उन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग में कुछ मैच खेले हैं। वे दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और दाएं हाथ के ही लेग ब्रेक गेंदबाजी करते हैं। वे दिल्ली प्रीमियर लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और दिल्ली लायंस के लिए खेल चुके हैं और अब इंडिया अंडर 19 की टीम में खेल रहे हैं।भारत का यह एशिया कप अंडर- 19 2026 में दूसरा मुकाबला है और इन दोनों मैचों में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर का भरपूर प्रभाव देखने को मिला है। हालांकि, बड़े मैचों में उनका प्रदर्शन अभी देखना बाकी है। उन्होंने अभी तक अपनी बल्लेबाजी संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के सामने दिखाई है। इस मुकाबले से पहले नेपाल के खिलाफ उन्होंने 52 गेंदों में 70 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ वे सिर्फ 22 गेंदों में 40 रन बना सके थे। श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ उनका प्रदर्शन कैसा रहता है देखना दिलचस्प होगा। आर्यवीर सहवाग ने वैश्विक मंच पर अभी बहुत अधिक नहीं खेला है, लेकिन एशिया कप में उनकी अब तक की बल्लेबाजी देखकर बड़े- बड़े दिग्गज और क्रिकेट प्रशंसक यह कहने लगे हैं की यह लड़का अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की तरह ही लगातार निखरता जा रहा है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सीनियर सहवाग की याद दिलाई है।

बारिश बनी विलेन

हैमिल्टन में भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द

टीम इंडिया का सीरीज जीतने का इंतजार बढ़ा

हैमिल्टन, एजेंसी। *भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। हैमिल्टन में मंगलवार को लगातार बारिश हो रही थी जिस कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच को रद्द करना पड़ा। पहले टॉस दो घंटे से भी ज्यादा देरी से हुआ जिसमें भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। टॉस से पहले ही ओवरों की कटौती कर दी गई और मैच 40-40 ओवर का कराने का फैसला किया गया। हालांकि, टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई जिससे मैच शुरू नहीं हो सका।*



शुरुआत में बारिश हल्की लग रही थी, लेकिन बीच-बीच में तेज हो रही थी। लगातार बारिश के कारण पिच को कवर्स से ढकना पड़ा और अंपायरों ने दो-तीन बार मैदान का निरीक्षण भी किया। लेकिन रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मैच शुरू ही नहीं हो सका। कटऑफ टाइम में अभी समय था, लेकिन हैमिल्टन में पूरे दिन बारिश का पूर्वानुमान था, लिहाजा इसे रद्द घोषित करना पड़ा। शुरुआत से ही हैमिल्टन में बारिश का पूर्वानुमान जताया गया था। भारत पांच मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत के पास इस मैच को जीतकर वनडे सीरीज अपने नाम करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन टीम इंडिया का इंतजार बढ़ गया। सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट मौंगानुई में खेला जाएगा।

दर्शक हुए निराश

हैमिल्टन में भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे। बारिश का पूर्वानुमान था, इसके बावजूद क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मैच देखने मिला। कई दर्शक रोहित शर्मा और विराट कोहली को खेलता हुआ देखने के लिए उत्सुक थे। हालांकि, उन्हें निराशा मिली। कोहली इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हालांकि, पिछले मैच में वह सस्ते में आउट हो गए थे। वहीं, रोहित भी न्यूजीलैंड में एक बड़ी पारी खेलने का इंतजार कर रहे हैं।



प्लेइंग-11 में नहीं किया था बदलाव

इससे पहले, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने तीसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। गिल ने बताया था कि भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। न्यूजीलैंड ने हालांकि, एकादश में एक बदलाव किया था और मैथ्यू फिशर को मौका दिया था। बारिश के कारण टॉस दो घंटे से अधिक समय की देरी से हुआ था।

कैसी थी दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्ष पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह।
न्यूजीलैंड : विल यंग, टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लाथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर।

कंबोज बोले- नेशनल टीम के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना

हैमिल्टन । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेल रहा हूं। यह काफी उत्साहजनक है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ब्रॉडकास्टर्स से अंशुल कंबोज ने कहा, 'मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं। तो यह हरियाणा में भी, जैसा मैं कह सकता हूं, मौसम और विकेट कुछ वैसे ही हैं।' भारतीय टीम के लिए खेलने की खुशी से जुड़े सवाल पर कंबोज ने कहा, 'मैं उत्साहित और बहुत खुश भी हूं, क्योंकि मैं अपनी नेशनल टीम के लिए खेल रहा हूं। अपनी नेशनल टीम के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है, इसलिए यह काफी उत्साहजनक है।' कंबोज आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा हैं। इस टीम के साथ उन्हें एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ काम करने का अवसर पर मिला है। इस पर उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। मैं अभी भी बहुत कुछ सीख रहा हूं। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं सही तरीके से सीख रहा हूं। परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, बल्कि इस बात पर फोकस कर रहा हूं कि मुझे क्या करना है और फील्ड पर भी क्या करना है।' कंबोज ने इंडिया ए के साथ खेलने पर मिले अनुभव पर कहा, 'यह बस मौसम के हिसाब से ढलने के बारे में था। विकेट थोड़ा ठंडा था, और मैं बस सही लेंथ और सही एरिया समझना चाहता था जहां मुझे गेंदबाजी करनी है। मैं बस उसी पर फोकस कर रहा हूं। यह विकेट और सिचुएशन के हिसाब से परफेक्ट लाइन और लेंथ के बारे में है।



शतरंज: मध्य प्रदेश के अनुज बने भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवात्री ने फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप जीतकर भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। वह अपने राज्य से इस प्रतिष्ठित खिताब को पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनुज को इस उपलब्धि पर सराहा है।

टूर्नामेंट के पहले दौर में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए अनुज ने अपने अंतिम आठ मुकाबलों में सात अंक हासिल कर यह उपलब्धि अपने नाम की। भारतीय शतरंज प्रेमियों को लंबे समय से देश के 100वें ग्रैंडमास्टर का इंतजार था, जबकि मध्य प्रदेश भी अपने राज्य के पहले ग्रैंडमास्टर के मिलने की उम्मीद लगाए बैठा था। ऐसे में यह सफलता बेहद ऐतिहासिक और खास है।

ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के अध्यक्ष नितिन नारंग ने अनुज को भारत का 100वां ग्रैंडमास्टर बनने पर बधाई दी है। उन्होंने इस उपलब्धि को भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर और गर्व का क्षण बताया है, साथ ही यह उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही 200 ग्रैंडमास्टर के आंकड़े तक पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत के 100वें ग्रैंमास्टर को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! है न कमाल की बात? अब भारत में शतरंज के 100 ग्रैंडमास्टर हो गए हैं! भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवत्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। भारत का 100 ग्रैंडमास्टर तक पहुंचना एक अहम पड़ाव है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। इसके साथ ही यह भी दिखाता है कि युवाओं के बीच शतरंज की लोकप्रियता कितनी बढ़ रही है। उन्होने लिखा, यह देखकर बहुत खुशी होती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।



सलीमा टेटे संभालेंगी कप्तानी

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय टीम का ऐलान



नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सलीमा टेटे की कप्तानी में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा में नए बने इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। मिडफील्डर सलीमा टेटे पिछले महीने जापान में एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपना पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने वाली भारतीय टीम की कप्तान होंगी। वरिष्ठ गोलकीपर सविता पुनिया, जिन्होंने 2026 एशियन गेम्स में भारत की कप्तानी की थी और भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम गोलकीपिंग करेंगी।

मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन और तीन बार की विजेता के तौर पर उतरेगी, जिसने 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीता है। भारत का मकसद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना और एशियन गेम्स में मिली सफलता से मिले आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए टाइटल्स की हैट्रिक पूरी करना होगा।

टूर्नामेंट में चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे

टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे। इंडिया की तरह, साउथ कोरिया ने भी विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी तीन बार जीती है। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें हर टीम दूसरी पांच टीमों से एक बार खेलेगी। लीग स्टेज के आखिर में टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीफ कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'यह वह पल है जब मैं दूसरे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्टेज पर अपना टैलेंट दिखाने का मौका देना चाहता हूं। कुछ प्लेयर्स नॉर्मल पोजीशन से अलग पोजीशन पर खेलेंगे, ताकि मैं देख सकूं कि वे अलग रोल में कैसा परफॉर्म करते हैं। हम घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और बेहतर फिनिश करने के लिए उत्साहित हैं। 'पहले दिन एशिया की टॉप रैंक वाली टीम चीन का मुकाबला थाईलैंड से होगा, जबकि भारत उसी दिन ओपनिंग सेरेमनी के बाद मलेशिया के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगा।इसके बाद भारतीय महिला टीम का मुकाबला 21 नवंबर को साउथ कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा।

भारतीय टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम
डिफेंडर : निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू लालथंतलुआंगी, पूजा साहू
मिडफील्डर : रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका

देश को गर्व

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 हमारी टीम के लिए अपनी ऐतिहासिक एशियन गेम्स जीत की लय को आगे बढ़ाने का एक अहम मौका है। मुझे यकीन है कि खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और देश को गर्व महसूस कराएंगे।'

स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के दावों को किया खारिज

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के उन दावों को खारिज कर दिया कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को सैंडपेपरगेट के बारे में पता था। समर ऑफ द सेंचुरी के लिए कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट के लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए स्टार्क ने कहा कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए संयुक्त बयान पर कायम हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर सैंडपेपरगेट के बारे में कुछ भी पता था और केप टाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की गई थी। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से स्टार्क ने कहा, 'मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं। मैंने सच में इस पर (ख्वाजा के दावों की कवरेज) ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। जाहिर है, लगभग आठ साल पहले इस पर अलग-अलग राय थी। उस समय से हमें इस प्रक्रिया के बारे में बहुत ज्यादा समझाया गया था। अब, मुझे लगता है, मैं गेंदबाज की तरफ से नहीं बोलूंगा, लेकिन जहां मैं खड़ा हूं, मेरी राय नहीं बदली है। 2021 में हमने जो कहा था, उससे मेरी याददाश्त नहीं बदली है।' ख्वाजा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि स्कैंडल के बारे में 'सबको पता था', स्टार्क ने कहा कि वह उस बयान पर कायम हैं जो गेंदबाजों ने 2021 में जारी किया था। उन्होंने कहा, 'यह जाहिर है एक किताब में है। यह किसी को और समझाना है। जहां तक ??हमारे बयान में कहा गया है (2021 में), हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इसे मैदान पर लिया जा रहा है। मैं इसे यहीं छोड़ता हूं। हमें नहीं पता था कि इसे छेड़छाड़ करने के लिए मैदान पर लिया गया था। हमने इसे केपटाउन में (पहली बार) बड़ी स्क्रीन पर देखा था।



क्या टूटने से बचा चीची का रिश्ता?

पत्नी सुनीता बोलीं- 40 साल पुरानी शादी क्यों नहीं टिकेगी



अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच का तनाव बीते दिनों काफी चर्चा का विषय रहा। कपल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। मगर अब सुनीता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने रिश्ते को बचाने के बारे में काफी कुछ कहा।

रिश्ते पर क्या बोलीं सुनीता?

सुनीता आहूजा ने गोविंदा और उनकी को-स्टार पर अफेयर के आरोप लगाए थे। हाल ही में पिंकविला से हुई बातचीत में सुनीता ने कहा, 'यह 40 साल पुरानी शादी है, आखिर क्यों नहीं टिकेगी? सब ठीक है, वो वही कर रहे हैं, जो उन्हें पसंद है। मैं काम कर रही हूं और मेरा पूरा ध्यान काम पर ही है, लेकिन इस जन्म में हमें कोई कभी अलग नहीं कर सकता। बाकी, मैंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है. भगवान के अलावा मैं किसी से कुछ नहीं मांगती। उनके लिए और मेरे लिए जो भी सही होगा, भगवान हमारे साथ वही करेंगे।'



बच्चों को नहीं करना चाहती पिता से अलग

बीते दिनों सुनीता आहूजा ने टॉल टेल्स कोलकाता में सुनीता ने कहा, 'मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो बच्चों से कहे कि वे अपने पिता को छोड़ दें। यह उनका अपना फैसला है। मेरा मतलब है, ऐसा कहना बेकार है क्योंकि वे उनके पिता हैं। उन्हें भी इस बारे में सोचना चाहिए। सिर्फ महिलाओं को ही क्यों सोचना चाहिए? महिलाएं डिप्रेशन में क्यों रहें?'



संक्षिप्त समाचार

मिस्र में भीषण ट्रेन हादसा : दो ट्रेनों की टक्कर के बाद पटरी से उतरे डिब्बे, 7 की मौत, 125 घायल



अल-अय्यात, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में रविवार को दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और कम से कम 125 लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में ट्रेन का कंडक्टर भी शामिल है. हेल्थ मिनिस्ट्री ने मरने वालों की संख्या बताते हुए एक बयान में कहा कि 70 से ज़्यादा घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक यह हादसा गीजा प्रांत के अल-अय्यात जिले में हुआ, जो काहिरा से लगभग 52 किलोमीटर (32 मील) दक्षिण में है. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी फयूम प्रांत जा रही एक ट्रेन, दक्षिणी प्रांत असवान जा रही एक ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई. चीफ प्रॉसिक्यूटर के ऑफिस ने रविवार देर रात कहा कि उनके इन्वेस्टिगेटर मौके पर पहुंच गए हैं. अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चला है कि क्रैश तब हुआ जब गीजा-फय्यूम ट्रेन काहिरा-असवान ट्रेन के आखिरी डिब्बे से टकरा गई, जो उसी ट्रैक पर खड़ी थी और उसी दिशा में जा रही थी. मिस्र में ट्रेन का पटरी से उतरना और क्रैश होना आम बात है, जहां रेलवे सिस्टम में मिसमैनेजमेंट और इक्विपमेंट के खराब मेंटेनेंस का इतिहास रहा है. हाल के सालों में सरकार ने मॉडर्नाइजेशन की पहल की घोषणा की है. अल-अय्यात के कफर गिरजा के रहने वाले अयमान गमाल ने कहा कि जहाँ यह हादसा हुआ आस-पास रहने वाले लोग मौके पर दौड़े, ज़िंदा बचे लोगों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस को बुलाया. गमाल ने कहा कि उन्होंने लगभग 80 घायलों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाते देखा. उन्होंने कहा कि कुछ यात्री रुकी हुई ट्रेन के एक डिब्बे में फँस गए थे और जब उन्हें बाहर निकाला गया तो उनकी मौत हो चुकी थी. बेनी सुएफ प्रांत के अल-वस्ता सेंट्रल हॉस्पिटल के बाहर जहाँ कुछ घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया था, बचे हुए लोगों ने कहा कि यात्री सदमे में थे और उड़ रही धूल की वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी. उन्होंने कहा कि आस-पास के गाँव वालों ने आखिरकार उन्हें बाहर निकाला. फय्यूम ट्रेन के अंदर मौजूद एक बची हुई फरहा गमाल ने कहा कि उसने कुछ यात्रियों को मरा हुआ देखा और कुछ लोग डिब्बे से बाहर निकलने के लिए जूझ रहे थे. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ और गाड़ियां भी थी जो पूरी तरह से खराब हो गई थी.' प्रेसिडेंट अब्देल-फतह अल-सिसी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने क्रैश की तुरंत जांच के आदश दिए हैं. इजिप्टियन रेलवे अथॉरिटी ने कहा कि मलबा हटाने और ट्रेन सर्विस को जल्द से जल्द नॉर्मल शेड्यूल पर लाने के लिए इमरजेंसी टीम और क्रेन मौके पर भेजे गए. पिछले सितंबर में उसी जिले में दो मालगाड़ियों की टक्कर में एक ट्रेन ड्राइवर और उसका असिस्टेंट घायल हो गए थे. इजिप्ट का सबसे खतरनाक ट्रेन क्रैश 2002 में हुआ था, जब काहिरा से दक्षिणी इजिप्ट जा रही एक रात भर चलने वाली ट्रेन में आग लगने से 300 से ज़्यादा लोग मारे गए थे.

कुर्दिस्तान के गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमला, बड़ा बिजली संकट

कुर्दिस्तान, एजेंसी। इराक के कुर्दिस्तान में खोर मोर गैस क्षेत्र पर एक ड्रोन हमला हुआ है। अल जज़ीरा के अनुसार, इस हमले से क्षेत्र में बड़ा ऊर्जा आपातकाल उत्पन्न हो गया। कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के बिजली मंत्रालय के प्रवक्ता ओमिद अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड में बिजली उत्पादन लगभग 2.8 गीगावाट कम हो गया। ड्रोन विस्फोट से गैस आपूर्ति बाधित हुई। इससे एरबिल, सुलेमानियाह, बाजियान, चमचमाल और दुहोक जैसे पांच प्रमुख शहरी केंद्रों को ईंधन नहीं मिला। अधिकारियों ने ग्रिड के पतन को रोकने के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए। बिजली मंत्रालय संवेदनशील स्थलों (अस्पतालों) को बिजली देने के लिए जलविद्युत व अन्य ईंधन स्टेशनों का उपयोग कर रहा है। कुर्द सुरक्षा बलों ने हमले की पुष्टि की पर किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। यह हमला कुर्द अधिकारियों और तेहरान के बीच उच्च स्तरीय सुरक्षा वार्ता के दौरान हुआ।

सोनिया गांधी की किताब पर भाजपा का हमला: आपातकाल पर पर्दा डालने का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस पुस्तक में 1975 में लगे आपातकाल को 'सही ठहराने' और नेहरू-गांधी परिवार की ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालने की कोशिश हुई है।



भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने पोस्ट में कहा कि पुस्तक का शीर्षक 'व्हाइटवॉशिंग' होना चाहिए था, क्योंकि इसका उद्देश्य कांग्रेस द्वारा किए गए गंभीर अपराधों को छिपाना है। यह टिप्पणी तब आई है जब सोनिया गांधी की यह किताब बाजार में आई है, जिसमें उन्होंने आपातकाल को एक गलती बताया है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि उन्हें लगता है कि उनकी सास और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी बाद में ऐसा ही महसूस हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर संजय गांधी को 'नियंत्रण में' रखा गया होता, तब आपातकाल के दौरान हुए नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसवन ने सोनिया गांधी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाकर कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि सोनिया गांधी बाबरी मस्जिद के लिए रोई थीं, लेकिन क्या उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार के दौरान या बाटला हाउस के आतंकियों के लिए बिलखने के बजाय देश की रक्षा में शहीद हुए सीआरपीएफ के वीर जवानों के लिए आंसू बहाए? उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों के लिए सोनिया गांधी के न रोने पर सवाल उठाया और पूछा कि उनकी किताब कांग्रेस नीत संप्रग सरकार की जवाबी कार्रवाई करने में विफलता का जवाब क्यों नहीं देती।

भाजपा प्रवक्ता ने आपातकाल को 'सही ठहराने' और 'सामान्य घटना' बताने की कोशिश को अत्यंत चिंताजनक बताया, क्योंकि आपातकाल ने 'संविधान की हत्या' की थी और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया था। उन्होंने कांग्रेस के करीब 55 वर्षों के शासन को भारतीय राजनीति और लोकतंत्र को अपूरणीय क्षति पहुँचाने वाला बताया। बीजेपी नेता केसवन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए 'ऐतिहासिक पापों और गलतियों' को प्रभावी ढंग से सुधारा है।

डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया से मनमुटाव की खबरों को किया खारिज

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ राजनीतिक मतभेद की अफवाहों का खंडन किया है। अपनी पोस्ट में सीएम शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनके और सिद्धारमैया के बीच कोई बड़ा या छोटा विवाद नहीं है, बल्कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं जैसे दोनों नेताओं के बीच कोई दरार पैदा हो गई हो। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया हमारे नेता हैं। कुछ लोग, जिसमें महास्वामीजी भी शामिल हैं, मीडिया में इस बात को अलग तरह से पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सिद्धारमैया से उनकी हालिया मुलाकात स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और त्यौहार की शुभकामनाएं देने के लिए हुई थी। इस बीच, शिवकुमार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर बताया कि सरकार 2008 से पहले अधिग्रहित जमीन पर बनी संपत्तियों को नियमित करने के लिए धारा 38बी के तहत लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती करेगी। इस फैसले से करीब 100,000 संपत्ति मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जो अब अपने स्वामित्व के दस्तावेज आसानी से प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि पिछली व्यवस्था के तहत केवल 600 लोगों ने ही आवेदन किया था, जबकि लाखों लोगों को इसका लाभ मिल सकता था। इसके पहले, 10 नवंबर को मुख्यमंत्री शिवकुमार ने लोक भवन में राज्यपाल सुधा यादव से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मुलाकात को सुखद बताया और राज्यपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार तथा आतिथ्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया।



समाज को तोड़ने वाली ताकतों से रहें सावधान-होसबाले

मथुरा , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि वर्तमान में समाज को तोड़ने वाली और आपसी नफरत की भावना को बढ़ाने वाली ताकतों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। समाज को इस प्रकार के विखंडन से बचाने के लिए एक सकारात्मक एवं संगठित शक्ति का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारत का यह दायित्व है कि वह ऐसा अनुकरणीय जीवन जीकर पूरे विश्व के सामने एक मिसाल पेश करे, जिससे संपूर्ण मानवता मार्गदर्शन प्राप्त कर सके। तभी भारत विश्व गुरु कहाएगा। देश को कोई वैश्विक संगठन विश्व गुरु की उपाधि नहीं देगा। देशवासियों के आचरण और व्यवहार से वह विश्वगुरु कहा जाएगा। वृंदावन के केशव धाम में अन्नकूट प्रसादम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान परिसर के सभागार में उन्होंने विद्यार्थियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज में एकता, समरसता और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि केशव धाम से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अपने जीवन में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने आज के समय में सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। समारोह के मुख्य आकर्षणों में केशव धाम में अध्ययनरत प्रतिभावान और मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए इन विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ। सभागार के मुख्य कार्यक्रम के उपरांत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केशव धाम परिसर में ही गोबर से निर्मित गोवर्धन महाराज (गिरिराज जी) की प्रतिमा की विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की।



छठ महापर्व: बिहार के घाटों पर पटाखे और निजी नावों पर प्रतिबंध

सुरक्षा हेतु यूएमआरटी मुस्तैद

पटना , एजेंसी । बिहार में 13 से 16 नवंबर, 2026 तक मनाए जाने वाले छठ महापर्व के दौरान संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिला पदाधिकारियों को सुरक्षा एवं आपदा की रोकथाम के लिए व्यापक पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस दौरान घाटों पर पटाखों की बिक्री और उपयोग के साथ-साथ निजी नावों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पत्र में स्पष्ट किया गया है कि छठ महापर्व के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं, विशेषकर डूबने की घटनाओं, भगदड़ एवं अन्य आपात स्थितियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। इसके लिए पहले से जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।



मुख्य निर्देशों में सभी खतरनाक नदी घाटों और तालाबों को चिह्नित कर उनकी व्यापक बैरिकेडिंग शामिल है, ताकि श्रद्धालु गहरे पानी में प्रवेश न कर सकें। इन घाटों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों और स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। चिकित्सा व्यवस्था के तहत, सभी प्रमुख घाटों पर डॉक्टर, पैरामेडिकल टीमें और एम्बुलेंस के साथ-साथ त्वरित चिकित्सा सहायता के लिए क्विक मेडिकल रिस्पॉन्स टीम (क्यूएमआरटी) की तैनाती होगी।

जलस्रोतों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित गोताखोरों, तैराकों और मोटरबोट चालकों को लाइफ जैकेट व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया जाएगा। उनकी पहचान के लिए विशेष जैकेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी, और बिजली के उपकरणों की अग्रिम जांच की जाएगी ताकि करंट से दुर्घटना न हो।

एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, 13 से 16 नवंबर तक नदी घाटों और तालाबों के समीप पटाखों की बिक्री एवं उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ऐसा भगदड़ और अन्य गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका को देखकर किया गया है। साथ ही, नहाय-खाय से लेकर सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर भी रोक रहेगी, जिसकी निगरानी के लिए घाटों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात होगा।

जिला नियंत्रण कक्षों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जहां महत्वपूर्ण दूरभाष नंबर उपलब्ध होगा और लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे। आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को छठ समितियों के साथ बैठक कर उन्हें प्रशिक्षित करने और आवश्यक समन्वय स्थापित करने का भी निर्देश दिया है, ताकि यह महापर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके।

कॉलेज के एक समारोह में गोलीबारी, जश्न के बीच अचानक हुआ हमला, एक की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्थित एक ऐतिहासिक अश्वेत विश्वविद्यालय में होमकमिंग समारोह के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है।

विंस्टन-सलेम स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल मिला। अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसी जगह पुलिस को 22 वर्षीय महिला भी मिली, जिसे गोली लगी थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में जियायरे स्पिंक्स नाम के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है।



आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए हैं? : पुलिस के सहायक प्रमुख जेसन स्वेम के मुताबिक, आरोपी को बिना जमानत हिरासत में रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर बंदूक रखने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांचकर्ता मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। हालांकि, शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया है। इसका मतलब है कि फिलहाल इस गोलीबारी को किसी दूसरी घटना से जुड़ा हुआ नहीं माना जा रहा है।

क्या विश्वविद्यालय परिसर में एक से ज्यादा बार गोलीबारी हुई थी? : पुलिस ने रविवार तड़के हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शनिवार रात विश्वविद्यालय परिसर में दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, दूसरी घटना के बारे में अधिकारियों ने अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दूसरी गोलीबारी में कोई घायल हुआ या नहीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जांच जारी रखी है। अधिकारियों ने फिलहाल यह भी नहीं बताया है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं। ऐसे में दूसरी गोलीबारी से जुड़ी जानकारी सामने आना अभी बाकी है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने होमकमिंग समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। इन कार्यक्रमों के स्थान पर एक स्थानीय चर्च ने विश्वविद्यालय समुदाय के लिए प्रार्थना सभा आयोजित करने की योजना बनाई।



कैलिफोर्निया : जहाज से समुद्र में गिरा पियानोवादक, नौ घंटे तक तैरता रहा, मछुआरों ने बचाई जान

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में क्रूज शिप से गिरे एक पियानोवादक को नौ घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। वो समुद्र में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा। करीब 20 मील दूर समुद्र में तैर रहे इस व्यक्ति को दो मछुआरों ने बचाया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके बचने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट बीच के पास हुई। बचाए गए व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। उसने मछुआरों को बताया कि वह रॉयल कैरेबियन के 14 डेक वाले क्रूज जहाज 'ओवेशन ऑफ द सीज' में पियानोवादक के रूप में काम करता है। सीन नॉर्टन और ग्रांट गैरेट कैटालिना द्वीप के पास मछली पकड़ने के बाद अपनी नाव से लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजे उनकी नजर समुद्र में एक व्यक्ति पर पड़ी। उसे देखते ही उन्होंने मछली पकड़ने का सामान समेटा और नाव रोककर उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। दोनों मछुआरों ने मिलकर उसे नाव पर खींच लिया। पिपुल डॉट कॉम ने बताया कि नॉर्टन के मुताबिक, वह बेहद सदमे में था। होश संभालने के बाद उसने कहा, ''धन्यवाद, मुझे लगा था कि मैं मरने वाला हूं।'' व्यक्ति को बचाने के बाद मछुआरों ने समुद्री आपातकालीन सेवा को सूचना दी। इसके बाद न्यूपोर्ट बीच के लाइफगार्ड मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि व्यक्ति शुक्रवार तड़के करीब 2:30 बजे जहाज से समुद्र में गिरा होगा। हालांकि, इसकी सटीक पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) इस मामले की जांच कर रहा है कि वह क्रूज जहाज से समुद्र में कैसे गिरा। मछुआरों के मुताबिक, समुद्र का तापमान करीब 76 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 24.4 डिग्री सेल्सियस) होने से उसकी जान बचने में मदद मिली हो सकती है।

पोलैंड गोलीबारी: पीड़ितों के सम्मान में आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज, क्या बोलीं यूरोपीय संघ की प्रमुख वॉन डेर?

ब्रसेल्स, एजेंसी। पोलैंड के क्राको शहर में हुई भीषण गोलीबारी के पीड़ितों और बचावकर्मियों के सम्मान में यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय ध्वज आधे झुका दिए गए हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने हमले पर दुख जताया। साथ ही पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप ने दुख और हैरानी के साथ शनिवार को हुए इस खौफनाक हमले की खबर सुनी। उन्होंने कहा कि आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं।

उन्होंने लिखा, आज सुबह यूरोप ने कल क्राको में हुए खौफनाक हमले के बाद दुख और अविश्वास के साथ दिन की शुरुआत की। पीड़ितों और बहादुर बचावकर्मियों के सम्मान में हमारे राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके हुए हैं। ये यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं। नफरत से ज्यादा मजबूत। चरमपंथ से ज्यादा मजबूत।

गोलीबारी में कितने लोगों की गई जान?: यह बयान शनिवार को क्राको के मशहूर मेन मार्केट स्क्वायर में हुई गोलीबारी के बाद आया है। शहर के ऐतिहासिक केंद्र में एक बंदूकधारी ने गोलीबारी की थी। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में दो पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस बीच, पोलैंड के आंतरिक और प्रशासन मंत्रालय में सामाजिक संचार विभाग की निदेशक और प्रेस प्रवक्ता करोलिना गालेका ने बताया कि हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। एक्स पर पोस्ट में गालेका ने बताया कि प्रभावित लोगों में ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल के नागरिक हैं।



उन्होंने लिखा, हम आपको बताना चाहते हैं कि कल क्राको में हुए हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। ये देश हैं- ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल।

पांच देशों के दूतावासों को दी गई जानकारी? : गालेका ने आगे बताया कि लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना की जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा, लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना के बारे में जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं। पीड़ितों की निजता बनाए रखने की जरूरत पर जोर देते हुए गालेका ने कहा कि अधिकारी उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, उनकी निजता की रक्षा के लिए हम पीड़ितों की उम्र, लिंग या स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे रहे हैं। पोलैंड के गृह मंत्री मार्सिन किएरविंस्की ने स्थानीय मीडिया को बताया कि संदिग्ध 24 साल का पोलिश नागरिक है। वह दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित था। उसके विचार बेहद कट्टर और अति-राष्ट्रवादी थे। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक, गोलीबारी के दौरान हमलावर ने सेना जैसी वर्दी और बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसने सेना में इस्तेमाल होने वाली लंबी बंदूक से गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने उसकी कार से कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खुद गोली लगने के बाद भी हमलावर पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाता रहा।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com